RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7 , अंकः 96 , बुधवार, 20 मई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8

9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

जिला के 54 पंचायतों में सहयोग शिविर का सफल आयोजन, ग्रामीणों की उमड़ी भारी भीड़ 03

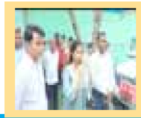

सहयोग शिविर में उमड़ी भीड़, 30 दिनों में समाधान का भरोसा 04

बेहद ग्लैमरस हैं मैं वापस आऊंगा एक्ट्रेस शरवरी वाघ के इन लुक्स... 07

मानसून से पहले 'प्रचंड गर्मी' का आतंक

● एमपी-राजस्थान समेत 10 राज्यों में बरस रही आग ● अबकी जल्दी आएगा मानसून, पर बार-बार अटकेगा

अगले हफ्ते केरलम में करेगा प्रवेश, कम रहेगी रफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने भारत की ओर बढ़ना शुरू कर दिया है। फिलहाल यह अंडमान-निकोबार द्वीप समूह के दक्षिणी सिरे से लेकर उत्तरी सिरे तक छा चुका है। मौसम विभाग ने तय तारीख एक जून से पहले 22 से 26 मई के बीच मानसून के केरलम पहुंचने की संभावना जताई है। इस बार मानसून की रफ्तार धीमी रहने की आशंका ज्यादा है। इसलिए लगातार बारिश के बजाय मानसून बार-बार अटकेगा। एक ही जगह ठहरा रहेगा। इसमें बिना बारिश के दिनों की संख्या (मानसून ब्रेक) ज्यादा रह सकती है। जून से सितंबर के दौरान 7 से 14 दिन तक के कई ब्रेक आ सकते हैं।

● **एमपी-राजस्थान समेत 6 राज्यों में पारा 46 पार-** उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और महाराष्ट्र में सोमवार को अधिकतम पारा 46 डिग्री से ज्यादा रहा। उत्तर प्रदेश का बांदा 47.6 डिग्री के साथ देश में सबसे गर्म रहा। पंजाब के बठिंडा में 47, महाराष्ट्र के वर्धा में 46.5, हरियाणा के सिरसा में 46.2, राजस्थान के चित्तौड़गढ़-पिलानी में 46.2 डिग्री तापमान रहा। मध्य प्रदेश में तेज गर्मी जारी है। सोमवार को खजुराहो में अधिकतम पारा 46.8 पहुंचा, नौगांव में 46 रहा। इससे पहले 29 अप्रैल 1993 को पारा खुजराहो में तापमान 46.9 रहा था। प्रदेश के 22 शहर ऐसे रहे, जहां सीजन में पहली बार अधिकतम तापमान 44 रहा। उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी और हीटवेव का प्रकोप जारी है। पारा 47 पार कर गया है। बांदा लगातार दूसरे दिन देश में सबसे गर्म शहर रहा, यहां अधिकतम तापमान 47.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने आज प्रयागराज, कानपुर, वाराणसी समेत 39 जिलों में लू का अलर्ट जारी किया है।

हरियाणा के 16 जिलों में हीटवेव का यलो अलर्ट

हरियाणा के अधितकम तापमान में 1.9 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। इसके साथ ही राज्य का अधिकतम तापमान सामान्य से 2.9 डिग्री बढ़ गया है। सोमवार को

सबसे ज्यादा तापमान सिरसा का रहा, जो 46.2 था। आज राज्य के 16 जिलों में हीटवेव का अलर्ट है। पंजाब और चंडीगढ़ में आज तेज गर्मी का अलर्ट है। मौसम विभाग के मुताबिक चंडीगढ़ ने 24 मई तक हीटवेव का यलो अलर्ट जारी किया गया है। आज पंजाब के 10 जिलों में हीटवेव चलेगी। सोमवार को राज्य के तापमान में 2.3 डिग्री की बढ़ोतरी हुई, जो नॉर्मल से 3.1 डिग्री है।

संक्षिप्त समाचार

फलता से टीएमसी प्रत्याशी जहांगीर ने छोड़ा मैदान

● मतदान से दो दिन पहले वापस लिया नाम, ममता हैरान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा की फलता सीट पर होने वाले पुनर्मतदान से पहले एक बड़ा बदलाव हुआ है। तृणमूल कांग्रेस से उम्मीदवार जहांगीर खान ने मैदान छोड़ने का ऐलान कर दिया है। बाहुबली नेता ने मंगलवार को कहा कि वह अब आगे कोई भी चुनाव नहीं लड़ेंगे। बता दें, खान को टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी का करीबी माना जाता है। अभिषेक बनर्जी की डायमंड हार्बर

लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली फलता विधानसभा सीट पर चुनावी धांधली के आरोप लगने के बाद आयोग ने यहां पर पुनः मतदान का ऐलान किया था। 21 मई को होने वाली वोटिंग से पहले वहां चुनावी अभियान जारी है, लेकिन इस प्रचार अभियान में किसी भी बड़े टीएमसी नेता की उपस्थिति नहीं देखी जा रही है। अभिषेक बनर्जी भी प्रचार के लिए नजर नहीं आए। भाजपा के लिए प्रचार कर रहे पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने भी इस स्थिति को लेकर टीएमसी पर तंज कसते हुए पूछा था कि अभिषेक बनर्जी कहां हैं। इसी तर्ज पर मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी जहांगीर खान पर निशाना साधते हुए कहा था कि पुष्पा कहां है।

अब परिणाम सभी को पता है। गुंडे भाग रहे हैं- इसके अलावा टीएमसी नेताओं द्वारा चुनाव प्रचार न करने को लेकर भाजपा नेता दिलीप घोष से पूछा गया, तो उन्होंने इसका तीखा जवाब दिया। उन्होंने कहा, पिछले चुनावों में भी तृणमूल के नेताओं ने यहां कभी प्रचार नहीं किया। उन्होंने केवल फलता के लोगों के मतदान के अधिकारों को दबाया है। अब परिणाम सभी को पता है। गुंडे भाग रहे हैं।

'वन नेशन, वन इलेक्शन' की टीम गुजरात पहुंची

● प्रियंका गांधी समेत 39 सदस्य सभी पार्टियों के नेताओं से करेंगे मुलाकात

गांधीनगर (एजेंसी)। वन नेशन-वन इलेक्शन के मुद्दे पर गठित संयुक्त संसदीय समिति ने विभिन्न राज्यों का दौरा कर राजनीतिक दलों और अधिकारियों से परामर्श शुरू कर दिया है। प्रियंका गांधी, संबित पात्रा और बांसुरी स्वराज समेत समिति के 39 सदस्य आज से तीन दिनों के लिए गुजरात पहुंचे हैं। जेपीसी सदस्य मंगलवार की शाम गुजरात

सीएम भूपेंद्र पटेल और राज्य के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात कर उनके विचार जानेंगे। समिति की पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस शाम 5.30 बजे गांधीनगर की गिफ्ट सिटी में हुई। वहीं, समिति ने समिति ने 20 मई 2026 को सभी राजनीतिक दलों को अपने विचार रखने के लिए गांधीनगर बुलाया है। इस मुद्दे पर भाजपा के मुख्य प्रवक्ता अनिल पटेल ने कहा- गुजरात भाजपा एक राष्ट्र-एक चुनाव का पूरी तरह से समर्थन करती है। वहीं कांग्रेस प्रवक्ता मनीष दोषी ने कहा- कांग्रेस इस मुद्दे पर अपने विचार रखेगी।

पिछले साल महाराष्ट्र और उत्तराखंड का दौरा कर चुकी जेपीसी- जेपीसी ने 17-18 मई 2025 को महाराष्ट्र दौरा किया। वहां मुख्यमंत्री, राजनीतिक दलों, प्रशासनिक अधिकारियों, बैंकों, सार्वजनिक उपक्रमों और रेगुलेटरी संस्थाओं से बातचीत की गई। समिति का मकसद यह समझना था कि एक साथ चुनाव कराने से फायदा होगा।

वैष्णो देवी कटड़ा रेल रूट को अभेद्य बनाने की तैयारी

● 2193 करोड़ के तीन बड़े प्रोजेक्ट को रेलवे की मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने देश के रेल नेटवर्क को और मजबूत, सुरक्षित और रफ्तार देने के लिए 2193 करोड़ रुपये के तीन बड़े प्रोजेक्ट को हरी झंडी दी है। रेल मंत्रालय की ओर से मंगलवार को दी गई जानकारी के अनुसार, इन प्रोजेक्ट का उद्देश्य जम्मू-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा रूट पर सुरक्षा बढ़ाना, व्यस्त हावड़ा-दिल्ली कॉरिडोर की क्षमता का विस्तार करना और चेन्नई के सबअर्बन नेटवर्क में भीड़भाड़ को कम करना है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विस्तार से जानकारी दी।

● **962 करोड़ में क्यूल-झाझा तीसरी लाइन-** हावड़ा-दिल्ली कॉरिडोर की क्षमता का विस्तार करने के उद्देश्य से इस 54 किलोमीटर लंबी तीसरी लाइन को बनाया जाएगा। फिलहाल क्यूल और झाझा के बीच की डबल लाइन अपनी क्षमता से अधिक पर काम कर रही है। इस तीसरी लाइन के बनने से ट्रेनों की लेटलतीफी कम होगी, मालगाड़ियों के संचालन में आसानी।

ट्रम्प-नेतन्याहू की हत्या करने वाले को 500 करोड़ देगा ईरान

तेहरान (एजेंसी)। ईरान की संसद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की हत्या करने वालों को 500 करोड़ से ज्यादा इनाम देने वाला बिल ला सकती है। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी

संसद का राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग इस बिल की तैयारी कर रहा है। आयोग के प्रमुख इब्राहिम अजीजी ने कहा कि 'इस्लामिक रिपब्लिक की सैन्य और सुरक्षा बलों की जवाबी कार्रवाई' नाम से बिल तैयार किया जा रहा है। ईरानी सांसद महमूद नबावियन ने कहा कि संसद जल्द इस बिल पर वोटिंग कर सकती है, जो ट्रम्प और नेतन्याहू को जहन्नुम पहुंचाने वालों को इनाम देगा।

आर्थिक तूफान आ रहा है, आम आदमी को लगेगा शॉक

रायबरेली में राहुल गांधी ने चेताया, पीएम मोदी पर हमला

रायबरेली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चेतावनी दी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बनाया गया आर्थिक ढांचा ढहने वाला है। इसका सबसे भारी नुकसान आम लोगों को उठाना पड़ेगा। पांच दिनों में दूसरी बार पेट्रोलियम की कीमतें बढ़ाए जाने के बाद केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों पर हमला बोलते हुए राहुल गांधी ने कहा कि भारत एक

अभूतपूर्व आर्थिक तूफान के कगार पर खड़ा है। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में मंगलवार को राहुल गांधी ने पत्रकारों से कहा कि मोदी सरकार ने जो आर्थिक ढांचा अरबपति उद्योगपतियों के पक्ष में खड़ा किया है उसका ढहना तय है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बनाया गया आर्थिक ढांचा ढह जाएगा।

● **मोदी जी का इकानॉमी का स्ट्रक्चर खड़ा नहीं रहेगा-** राहुल गांधी ने कहा, मोदी जी ने जो इकानॉमी का स्ट्रक्चर बदला है, अब आर्थिक तूफान आ रहा है। उन्होंने जो स्ट्रक्चर बनाया है, अदानी-अंबानी वाला, वह अब खड़ा नहीं रहेगा, पूरा का पूरा टूटेगा। दुख की बात है कि नुकसान आम जनता को होगा। मतलब वे अपने महलों में बैठे रहेंगे, और यूपी के जो युवा हैं, जनता है, उनको पूरा का पूरा शॉक लगेगा।

स्कूल-कॉलेज और अस्पतालों से हटेंगे आवारा कुत्ते

● सुप्रीम कोर्ट का झटका, फैसला बदलने से किया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्ट्रे डॉग्स को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अपने 7 नवंबर 2025 के आदेश में कोई भी बदलाव करने या फिर वापस लेने से साफ इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश को चुनौती देने वाली सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने स्कूल कॉलेजों, अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों जैसे सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा पशुओं के संबंध में भारतीय पशु कल्याण बोर्ड द्वारा जारी मानक संचालन प्रक्रियाओं की वैधता को चुनौती देने संबंधी सभी याचिकाओं को खारिज किया। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने पुराने फैसले में कहा था कि आवारा कुत्तों के लिए शेल्टर होम बनाए जाएं।

उन्हें खुली जगहों पर खाना ना खइलाया जाए और सरकारी संस्थानों और खुली जगहों से उन्हें हटाया जाए। कोर्ट ने कहा कि देशभर में कुत्ता काटने की घटनाएं बढ़ रही हैं और ऐसे में इस आदेश में कोई समझौता नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की ओर से आवारा कुत्तों की बढ़ती आबादी से निपटने के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण हेतु निरंतर प्रयास नहीं किए गए। इसके अलावा पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम का कार्यान्वयन देशभर में अब भी बिखरे हुए, अपर्याप्त वित्तपोषण और अलग-अलग क्षेत्रों में असमान तरीके से हो रहा है।

सुप्रीम आदेश, कुत्तों की नसबंदी जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 2001 में एबीसी रूल लागू किया गया था। लेकिन आवारा कुत्तों की संख्या तेजी से बढ़ी और उस अनुपात में शेल्टर होम और अन्य सुविधाओं का विकास नहीं हो पाया। कोर्ट ने कहा कि आवारा कुत्तों की नसबंदी जरूरी है। नगर नगम आवारा कुत्तों को पकड़कर नसबंदी करे। सामान्य कुत्तों को वैक्सीनेशन और स्टरलाइजेन के बाद उसी इलाके में छोड़ दिया जाए, जहां से उसे पकड़ा गया था। सुप्रीम कोर्ट नेक हा कि रेबीज से संक्रमित कुत्तों को शेल्टल होम में रखा जाएगा। उन्हें वापस नहीं छोड़ा जा सकता है। इसके अलावा गली में या फिर खुले

में कुत्तों को खाना नहीं खिलाया जा सकता है। इसके लिए कुत्तों का फीडिंग जोन बनाया जाए। इसके अलावा स्कूलों-कॉलेजों, अस्पतालो, रेलवे स्टेशन, बस अड्डों और अन्य सार्वजनिक स्थानों से कुत्तों को हटाया जाए। आवार कुत्तों के लिए राष्ट्रीय नीति बनाई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हर जिले में कम से कम एक एनिमल बर्थ कंट्रोल यानी एबीसी सेंटर बनाया जाए। इसमें जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर, सर्जिकल सुविधाएं और सहायक लॉजिस्टिक होना चाहिए। इसके अलावा कर्मचारियों को ठीक से ट्रेनिंग दी जाए। यह पूरी तरह से काम करना चाहिए।

रूस से कच्चा तेल खरीदता रहेगा भारत

● सरकार बोली-अमेरिकी प्रतिबंध बेअसर ● फंसे जहाजों से तेल खरीदने की है छूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका की तरफ से मिलने वाली प्रतिबंधों की छूट खत्म होने के बाद भी भारत रूस से कच्चा तेल खरीदना जारी रखेगा। पेट्रोलियम मंत्रालय की जॉइंट सेक्रेटरी सुजाता शर्मा ने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों से हमारे इम्पोर्ट प्लान पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इस बीच वैश्विक सप्लाई संकट को देखते हुए अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने समुद्र में फंसे रूसी तेल के जहाजों से तेल खरीदने के लिए 30 दिनों का अस्थायी लाइसेंस जारी कर दिया। अमेरिकी ट्रेजरी मंत्री स्कॉट बेसेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। बेसेंट के मुताबिक इससे अतिरिक्त लचीलापन मिलेगा। यह सामान्य लाइसेंस कच्चे तेल के बाजार को स्थिर करने

और ऊर्जा की दृष्टि से संवेदनशील देशों तक तेल की पहुंच सुनिश्चित करने में सहायक होगा।

● **घरेलू बाजार में महंगाई रोकने के लिए सप्लाई जरूरी-** ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय अधिकारियों ने अमेरिकी प्रशासन को स्पष्ट कर दिया था कि ग्लोबल मार्केट में उतार-चढ़ाव के बीच देश की तेल सप्लाई बनाए रखना सरकार की सबसे पहली प्राथमिकता है। अधिकारियों ने चेतावनी भी दी थी कि अगर तेल की सप्लाई में कोई रुकावट आती है, तो इसका सीधा असर भारतीय उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। इससे देश में डोमेस्टिक कुकिंग गैस जैसी जरूरी चीजों की किल्लत और महंगाई बढ़ सकती है। हालांकि, इस पूरे मामले पर भारत के तेल मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और अमेरिकी ट्रेजरी विभाग की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई थी।

मई में रूस से तेल आयात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा- अमेरिकी छूट की डेडलाइन खत्म होने से पहले भारतीय रिफाइनरी कंपनियों ने रूस से कच्चे तेल की खरीद काफी तेज कर दी है। डेटा इंटेलिजेंस एजेंसी केपलर के आंकड़ों के मुताबिक, मई महीने में अब तक भारत का रूसी तेल आयात रिकॉर्ड 23 लाख बैरल प्रति दिन के स्तर पर पहुंच गया है, जो अब तक का सबसे ऊंचा आंकड़ा है। विश्लेषकों का अनुमान है कि पूरे मई महीने का औसत आयात भी करीब 19 लाख बैरल प्रति दिन के आसपास रहने वाला है। पिछले साल नवंबर में यूक्रेन के साथ जंग के चलते ट्रम्प प्रशासन ने रूसी तेल कंपनियों लुकोइल और रोजनेफ्ट पर कड़े प्रतिबंध लगाए थे। इसके बाद जनवरी में भारत का रूसी तेल आयात गिरकर 11 लाख बैरल प्रति दिन रह गया था, जो नवंबर 2022 के बाद सबसे कम था। हालांकि, फरवरी में यह हिस्सेदारी फिर से बढ़कर 30 फीसदी तक पहुंच गई है।

पेट्रोल-डीजल के दाम 90 पैसे बढ़े

● 4 दिन पहले 3-3 बढ़ाए थे, 15 राज्यों में पेट्रोल 100 लीटर पार डीजल 17 में 90 से ऊपर

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पेट्रोल और डीजल 19 मई से औसतन 90 पैसे प्रति लीटर और महंगा हो गया है। इससे पहले 15 मई, शुक्रवार को ही पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 3-3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। यानी पांच दिन के भीतर में यह दूसरी बढ़ोतरी है। देश के 15 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पेट्रोल 100 रुपए लीटर के ऊपर बिक रहा है। वहीं 17 में डीजल का दाम 90 रुपए लीटर से ज्यादा है।

एक अफसर ने नार्वे की पत्रकार को सिखाया मर्यादा का पाठ

● सिबी जॉर्ज ने कहा-5000 साल पुरानी है भारत की सभ्यता

ओस्लो (एजेंसी)। नॉर्वे में पत्रकार हेले लिंग के प्रधानमंत्री मोदी से सवाल पूछने के विवाद के बीच वरिष्ठ भारतीय राजनयिक सिबी जॉर्ज की चर्चा चारों तरफ हो रही है। भारतीय विदेश मंत्रालय की एक ब्रीफिंग के दौरान नॉर्वे के एक पत्रकार के साथ उनकी तीखी बहस हुई है। यह ब्रीफिंग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नॉर्वे

यात्रा के संबंध में थी जिसमें सिबी जॉर्ज ने लोकतंत्र, मानवाधिकार और प्रेस की स्वतंत्रता के मामले में भारत के रिकॉर्ड का जोरदार बचाव किया। सिबी जॉर्ज ने बताया कि भारत को सिखाने की जरूरत नहीं है यह 5000 साल पुरानी सभ्यता है। अभी वह भारतीय विदेश मंत्रालय में सेक्रेटरी (वेस्ट) के तौर पर काम कर रहे हैं। वे यूरोप, पश्चिम एशिया और कई मंचों पर भारत के संबंधों की देखरेख करते हैं।

● **विदेश विभाग में काम करने का विशाल अनुभव-** सिबी जॉर्ज ने अपने राजनयिक करियर की शुरुआत काहिरा से की थी। इसके बाद उन्होंने दोहा, इस्लामाबाद और वॉशिंगटन डीसी में भी काम किया जहां उन्होंने राजनीतिक, व्यापारिक और कांसुलर मामलों को संभाला। उन्होंने तेहरान और रियाद में मिशन के डिप्टी चीफ के तौर पर भी काम किया। इसके अलावा उन्होंने नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय के मुख्यालय में कई अहम विभागों में भी काम किया जिनमें ईस्ट एशिया और इंडिया-अफ्रीका फोरम समिट की कोऑर्डिनेशन टीम शामिल है। वह केरल से हैं।

संक्षिप्त समाचार

गांजा के साथ पकड़ा गया आरोपी मोतिहारी ले जाने के दौरान फरार

रक्सौल। नेपाल सीमा पर गांजा के साथ पकड़ा गया एक आरोपी पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गया। आरोपी को हरैया थाना पुलिस मोतिहारी जेल ले जा रही थी। इसी दौरान मोतिहारी के चांदमारी चौक के समीप वह वाहन से कूदकर भाग निकला। घटना के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए व्यापक छापेमारी एवं नाकाबंदी अभियान चलाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, 47वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) द्वारा चलाए जा रहे नशा विरोधी विशेष अभियान के तहत मैत्री ब्रिज चौक स्थित बॉर्डर पिलर संख्या 309/33 के पास नेपाल से भारत में प्रवेश कर रही एक डस्टन कार की जांच की गई। जांच के दौरान वाहन से 32.450 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में वाहन चालक की पहचान मन्टू कुमार, पिता अज्ञात, निवासी बदहरवा महानंद, थाना कल्याणपुर, जिला पूर्वी चंपारण के रूप में हुई। बरामद गांजा एवं जब्त वाहन को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए हरैया थाना पुलिस को सौंप दिया गया था। बताया जाता है कि हरैया थाना पुलिस आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने के लिए मोतिहारी ले जा रही थी। इसी दौरान चांदमारी चौक के पास आरोपी अचानक पुलिस वाहन से कूदकर फरार हो गया। घटना के बाद पुलिस ने तत्काल इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक आरोपी का कोई सुराग नहीं मिल सका था। एसएसबी अधिकारियों ने बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में नशीले पदार्थों की तस्करी रोकने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है और पूर्व में भी कई बड़ी खेप जब्त की जा चुकी हैं। वहीं हरैया थाना और मोतिहारी पुलिस संयुक्त रूप से फरार आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। मामले में आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई जारी है।

दाखिल खारिज में गड़बड़ी, सीओ के निलंबन की 'रिकमेंडेशन'

हाजीपुर। वैशाली में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा शुरू किए गए 'सहयोग शिविर' के पहले ही दिन बड़ी कार्रवाई हुई है। तिरहुत प्रक्षेत्र के कमिश्नर गिरिवर दयाल ने ग़ोरौल अंचल के सीओ (अंचल अधिकारी) के निलंबन की अनुशंसा की है। यह कार्रवाई जमीन परिमार्जन और दाखिल खारिज (म्यूटेशन) में अनियमितताओं की शिकायतें मिलने के बाद की गई। कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि यह शिविर केवल शिकायतें लेने के लिए नहीं, बल्कि उनके तत्काल समाधान के लिए लगाए गए हैं। आयुक्त गिरिवर दयाल ने कहा कि यदि कहीं भी कोई शिकायत मिलती है, तो उस पर निश्चित रूप से कार्रवाई होगी और लोगों की शिकायतों का तुरंत निपटारा किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पूरे बिहार में आज से 'सहयोग शिविर' की शुरुआत हुई है, जिसके तहत वैशाली जिले के सभी 18 प्रखंडों की पंचायतों में शिविर लगाए गए। इन शिविरों में बड़ी संख्या में लोग अपनी शिकायतें लेकर पहुंचे। कमिश्नर ने बताया कि शिविर में कई गंभीर मामले और शिकायतें सामने आई हैं, जिनके समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। ग़ोरौल प्रखंड के कटरमाला पंचायत में आयोजित सहयोग शिविर में तिरहुत रेंज के कमिश्नर गिरिवर दयाल और आईजी चंदन कुशवाहा मौजूद थे। उन्होंने लोगों की शिकायतें सुनीं और अधिकारियों को उनके शीघ्र निपटारे का आदेश दिया। शिविर के पहले ही दिन अधिकारियों की लापरवाही उजागर हुई, जिस पर तत्काल कार्रवाई शुरू कर दी गई है। यह मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देशों का अधिकारियों पर दिख रहा असर माना जा रहा है।

बस ने कंडक्टर को रौंदा, मौत, रामाशीष चौक पर हुआ एक्सीडेंट, 20 साल से कर रहा था काम

हाजीपुर। वैशाली में एक बस कंडक्टर की अपनी ही बस से कुचलकर मौत हो गई। यह घटना सोमवार शाम करीब 4 बजे सदर थाना क्षेत्र के रामाशीष चौक पर हुई। मृतक की पहचान लालगंज थाना क्षेत्र के एतबारपुर सिसौला निवासी विनोद राय (45) के रूप में हुई है। विनोद राय स्वर्गीय जगदीश राय के पुत्र थे। वह पिछले 20 वर्षों से 'रौशन बस' में कंडक्टर के पद पर कार्यरत थे। बताया जा रहा है कि जिस बस में वह ड्यूटी कर रहे थे, उसी बस की चपेट में आने से उनकी जान चली गई। विनोद राय अपने तीन भाइयों और दो बहनों में तीसरे नंबर पर थे। उनके परिवार में दो बेटे और एक बेटी है। इस दुखद घटना के बाद से पूरे परिवार में शोक का माहौल है। मृतक विनोद राय पूर्व RJD विधायक मुकेश कुमार रौशन की 'रौशन ट्रैवल्स' में काम करते थे। मृतक के भतीजे ने बताया कि उनके चाचा महुआ के पूर्व विधायक की बस में काम करते थे और रामाशीष चौक के पास सड़क हादसे में उनकी मौत हो गई। उन्होंने पुष्टि की कि जिस बस में चाचा ड्यूटी करते थे, उसी बस से यह हादसा हुआ। स्थानीय लोगों से उन्हें घटना की सूचना मिली। घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है।

फुलार घाट पर बुजुर्ग की डूबने से मौत, वैशाली में मानसिक संतुलन बिगड़ने के कारण भटका था

हाजीपुर। वैशाली थाना क्षेत्र के फुलार घाट पर रविवार शाम करीब 5 बजे एक वृद्ध व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर वैशाली थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। मृतक की पहचान वैशाली थाना क्षेत्र के धनवारी टोला गांव निवासी स्वर्गीय जुलम पासवान के 55 वर्षीय पुत्र गणेश पासवान के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक के बेटे पवन पासवान ने बताया कि उनके पिता का दिमागी संतुलन ठीक नहीं था, जिसके कारण वे कभी-कभी घर से भटक जाते थे। रविवार को भी वे घर से कब निकले, परिवार को इसकी जानकारी नहीं मिली। शाम करीब 5 बजे पुलिस से ही उनके डूबने से मौत होने की सूचना मिली। गणेश पासवान अपने पांच बहनों और एक भाई में सबसे छोटे थे। उनके परिवार में दो बेटे और एक बेटी हैं।

गैस सिलेंडर ब्लैकमार्केटिंग का खुलासा, पुलिस ने मौना गांव से 15 सिलेंडर और अवैध कार्ड जब्त किए

हाजीपुर। वैशाली में गैस सिलेंडर की कालाबाजारी का बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस ने बेलसर थाना क्षेत्र के मौना गांव में छापेमारी कर भारी मात्रा में गैस सिलेंडर और अवैध गैस कार्ड बरामद किए हैं। एसपी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क की जांच में जुट गई है।यह मामला वैशाली जिले के बेलसर थाना क्षेत्र के मौना गांव का है, जहां घरेलू गैस सिलेंडरों की खुलेआम कालाबाजारी की जा रही थी। बताया जा रहा है कि गरीब और जरूरतमंद लोगों को मिलने वाले गैस सिलेंडरों को अवैध तरीके से ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा था। वैशाली एसपी विक्रम सिहाग को गुप्त सूचना मिली थी कि मौना गांव में गैस सिलेंडर 2100 रुपये से लेकर 5100 रुपये तक में बेचे जा रहे हैं। सूचना मिलते ही एसपी के निर्देश पर महुआ एसडीपीओ गोपाल मंडल के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ग्राहक बनकर मौना गांव निवासी लुट्टू चौधरी के घर पहुंची। टीम ने जब गैस सिलेंडर की मांग की, तो उन्हें अलग-अलग कीमतें बताई गईं। कालाबाजारी की पुष्टि होते ही टीम ने तुरंत घर में छापेमारी कर दी। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से 6 भरे हुए और 9 खाली गैस सिलेंडर बरामद किए। इसके अतिरिक्त, भारी मात्रा में अवैध गैस कार्ड भी जब्त किए गए हैं। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस ने बेलसर प्रखंड के अंचल अधिकारी और प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को सूचित किया। इसके बाद, जिला प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। आशंका जताई जा रही है कि यह मामला केवल एक घर तक सीमित नहीं है, बल्कि गैस सिलेंडर की कालाबाजारी का एक बड़ा नेटवर्क इलाके में सक्रिय हो सकता है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इतने बड़े पैमाने पर गैस सिलेंडर और गैस कार्ड कहां से लाए जा रहे थे और इस रैकेट में कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस और जिला प्रशासन संयुक्त रूप से इस पूरे मामले की गहन जांच कर रहे हैं।

थोक व खुदरा दवा दुकानें आज रहेंगी बंद, औषधि केंद्र खुले रहेंगे

एजेंसी, पटना

देशभर में 20 मई को प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी केमिस्ट हड़ताल के बीच प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र (PMBJK) रिटेलर एसोसिएशन ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। एसोसिएशन ने घोषणा की है कि देशभर के जन औषधि केंद्र इस हड़ताल में शामिल नहीं होंगे। सामान्य दिनों की तरह खुले रहेंगे। यह फैसला आम मरीजों को सस्ती दवाइयों की उपलब्धता कराने के उद्देश्य से लिया गया है। एसोसिएशन के महासचिव सुरेश मित्तल ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि यह निर्णय राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रशांत सिंह के साथ विस्तृत चर्चा के बाद लिया गया है। संगठन का मानना है कि जन औषधि केंद्र गरीब, मध्यम वर्ग और जरूरतमंद मरीजों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं और इन्हें बंद करना जनहित के खिलाफ होगा।

औषधि केंद्र बंद होने से मरीजों को परेशानी होगी: एसोसिएशन ने तर्क दिया कि यदि जन औषधि केंद्र भी बंद होते हैं, तो लाखों मरीजों को आवश्यक दवाइयों के लिए परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। विशेष रूप से बुजुर्ग, गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीज और आर्थिक रूप से कमजोर लोग इससे सबसे अधिक प्रभावित होंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए, सभी रिटेलरों से अपने-अपने केंद्र नियमित रूप से संचालित करने की अपील की गई है। संगठन ने भरोसा दिलाया है कि हड़ताल के दिन भी मरीजों को आवश्यक दवाइयों और स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता दी जाएगी। जन औषधि केंद्रों की स्थापना का मुख्य उद्देश्य आम लोगों को कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध कराना है और इस उद्देश्य से कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

सस्ती कीमत पर मिलती रहेंगी दवाइयां

पटना के बड़े सरकारी अस्पताल में सक्रिय रहेंगे केंद्र: एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने बताया कि पटना सहित बिहार के प्रमुख सरकारी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता बनाए रखने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। राजधानी पटना के IGIMS, AIIMS, PMCH, NMCH, LNJP और गार्डिनर अस्पतालों के आसपास स्थित जन औषधि केंद्रों को विशेष रूप से सक्रिय रहने का निर्देश दिया गया है, ताकि मरीजों और उनके परिजनों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। संगठन ने कहा कि अस्पतालों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं।

ऐसे में यदि दवा दुकानों पर असर पड़ता है तो मरीजों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इसी कारण जन औषधि केंद्रों को निर्बाध रूप से संचालित करने की तैयारी की गई है। दवाइयों की कमी नहीं होने दी जाएगी एसोसिएशन की बैठक में कोषाध्यक्ष सुनील कुमार, कर्नाटक से सदस्य अशोक कुमार और ओडिशा से सदस्य पीके सिन्हा भी मौजूद रहे। सभी पदाधिकारियों ने एकमत होकर कहा कि संगठन की प्राथमिकता जनता की सुविधा और स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतरता बनाए रखना है।

पीयू के इकबाल हॉस्टल से 2 सुतली बम बरामद

एजेंसी, पटना

♦ रात 2 बजे तक चला सर्च ऑपरेशन, छात्र आपसी रंजिश में बमबाजी करने वाले थे

पटना यूनिवर्सिटी के इकबाल हॉस्टल से 2 जिंदा सुतली बम बरामद किए गए हैं। पीरबहोर थाने की पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि हॉस्टल के छात्र आपसी रंजिश में बमबाजी की घटना को अंजाम देने की तैयारी में हैं। दो गुटों की लड़ाई के बीच कभी भी बमबाजी की जा सकती है। इसी सूचना के आधार पर इकबाल हॉस्टल की तलाशी ली गई। जहां हॉस्टल के पीछे खंडहरनुमा भवन से 2 जिंदा सुतली बम मिले। दोनों बम प्लास्टिक में लपेटकर रखे गए थे। फिलहाल पटना यूनिवर्सिटी के सभी हॉस्टल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। देर रात तक सर्च ऑपरेशन चलाया गया। भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद थे। पुलिस ने समय रहते कैंपस के अंदर हिंसक झड़प को टाल दिया है।

एफआईर दर्ज कर कार्रवाई कर रही पुलिस: टाउन डीएसपी 1 राजेश रंजन के नेतृत्व में इकबाल, जैक्सन, नदवी, कैंडविश, Minto हॉस्टल में रात 2:00 तक सर्च किया गया है। हालांकि इस दौरान 2 सुतली बम के अलावा अन्य कुछ बरामद नहीं हुआ। फिलहाल पुलिस की ओर से बम स्क्वॉड की टीम को डिफ्यूज के लिए यूनिवर्सिटी के कैंपस में बुलाया गया है। डिफ्यूज करने के बाद एफएसएल में भेजा जाएगा। दूसरी तरफ अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज करके पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। टाउन डीएसपी 1 राजेश रंजन ने बताया कि बम डिटेक्शन और डिस्पोजल टीम बुलाई गई थी। खंडहरनुमा भवन से 2 जिंदा सुतली बम मिले हैं। इस तरह की आपराधिक गतिविधि में लगे शरारती तत्वों के बारे में पता लगाया जा रहा है। फिलहाल अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

एमपी में बैंक लूटने वाले 3 बदमाश पटना में धराए

एजेंसी, पटना

मध्य प्रदेश के सिंगरौली के बैंक ऑफ महाराष्ट्र की बैढ़न शाखा से तकरीबन 15 करोड़ के गहने और कैश लूटे गए थे। मामले में पटना से 3 बदमाश पकड़े गए हैं। टाउन डीएसपी-1 राजेश रंजन ने बताया कल मध्य प्रदेश की पुलिस आई थी। मध्य प्रदेश पुलिस, पटना पुलिस और एसटीएफ के सहयोग से कुमकुम सिंह लेन से हर्ष (संडलपुर), प्रभाकर (सुल्तानगंज) और रवि नन्दन कुमार (सुल्तानगंज) को अरेस्ट किया गया है। तीनों पटना के रहने वाले हैं। हाल में अपना ठिकाना परसा बाजार बनाया था। प्रभाकर की गिरफ्तारी पीरबहोर इलाके से हुई से हुई है। इनके बारे में और पता लगाया जा रहा है। इनके ऊपर मध्य प्रदेश के सिंगरौली में 9 केजी सोना और 20 लाख रुपए बैंक से लूटने के आरोप हैं।

15 करोड़ के गहने और कैश लूट ले गए थे, मध्य प्रदेश की पुलिस बिहार आई थी

17 अप्रैल को की थी वारदात: 17 अप्रैल को दोपहर करीब 12:50 बजे बैढ़न स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र शाखा में 5 बदमाशों ने धावा बोलकर लगभग 15 करोड़ रुपए की लूट की थी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे।

पीएमसीएच के डॉक्टर से चेन स्नेचिंग, ड्यूटी से लौटते वक्त 3 बदमाशों ने मारा झपट्टा

एजेंसी, पटना

पीएमसीएच के डॉक्टर से चेन स्नेचिंग हुई है। डॉक्टर ने चित्रगुप्त नगर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। डॉक्टर फुलकांत पंडित ने बताया कि 18 मई की रात 9:35 बजे ड्यूटी से लौटने के दौरान स्कूटी से जा रहा था। इसी बीच पर एक बाइक पर सवार 3 बदमाश आए और गले से सोने की चेन झपटकर फरार हो गए। फुलकांत पंडित PMCH में PG थर्ड ईयर के स्टूडेंट हैं। फुलकांत पंडित ने बताया कि चेन की कीमत लगभग 4 लाख हैं। चेन में डायमंड कोटेड गणेश जी की लॉकेट भी लगी थी। बदमाश इतनी तेजी से आए और झपटकर भागे कि ठीक से गाड़ी नंबर भी नहीं देख पाया। गले में स्क्रैच भी लगा है।

पुलिस की गश्ती ठीक नहीं है: डॉ. फूलकांत पंडित ने पुलिस गश्ती पर सवाल उठाया हैं, उन्होंने बताया कि इलाके में चेन स्नेचिंग की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है, लेकिन सड़क या गली में प्रॉपर गश्ती नहीं दिखती। इस इलाके में कई डॉक्टर भी रहते हैं, जो इस घटना के बाद

काफी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

सीसीटीवी देखे जा रहे हैं: चित्रगुप्त नगर थानेदार शंकर झा ने बताया कि घटना के बारे में जानकारी मिली है। सीसीटीवी फुटेज देखे जा रहे हैं। डॉक्टर स्कूटी से जा रहे थे इसी दौरान बदमाश चेन झपटकर भाग गए। संदिग्ध भी दिखे हैं। फिलहाल छानबीन की जा रही है।

तीन दिन पहले महिलाओं के साथ हुई थी छिनतई: तीन दिन पहले पटना के बुद्धा कॉलोनी थाना से महज कुछ कदम की दूरी पर चेन स्नेचिंग की बड़ी वारदात सामने आई थी। घटना में 2 महिलाओं के गले से सोने के जेवर गायब कर दिए गए। घटना उस समय हुई जब दोनों वट सावित्री पूजा करने के लिए थाना परिसर से सटे वट वृक्ष के पास पहुंची थीं। दोनों महिलाएं रिश्ते में सास-बहू हैं और पटना के मंदिरी इलाके की रहने वाली हैं।

पीड़ित को 4 लाख का नुकसान

चार दिन पहले विधायक के भाई से हुई थी स्नेचिंग: चार दिन पहले पटना के पॉश इलाके कंकड़बाग में जहानाबाद के विधायक राहुल कुमार के भाई रोहित कुमार से चेन स्नेचिंग की घटना हुई थी। बाइक सवार 2 बदमाशों ने उनके घर से महज 100 मीटर की दूरी पर इस घटना को अंजाम दिया। यह वारदात सुबह करीब 7:46 बजे हुई थी, जब रोहित कुमार मॉर्निंग वॉक पर थे। घटना के बाद पीड़ित रोहित कुमार ने पुलिस गश्ती और राजधानी की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

मंत्री संजय सिंह ने गाड़ी छोड़ ट्रेन से की यात्रा, कहा- पेट्रोल-डीजल बचत हर नागरिक का दायित्व है

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार के लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग (PHED) के मंत्री संजय सिंह को जमुई जिले का प्रभारी मंत्री बनाए जाने के बाद आज अपनी पहली आधिकारिक यात्रा शुरू की। इस बार मंत्री ने सड़क मार्ग से जाने के बजाय ट्रेन से यात्रा करने का निर्णय लिया। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण के आह्वान से प्रेरित कदम बताया। पटना से रवाना होने के दौरान मंत्री संजय सिंह ने कहा कि देश में लगातार बढ़ती ऊर्जा जरूरतों और पर्यावरणीय चुनौतियों को देखते हुए जनप्रतिनिधियों को भी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि पेट्रोल और डीजल की बचत केवल सरकार की नीति नहीं, बल्कि हर नागरिक का दायित्व है।

ट्रेन यात्रा के दौरान यात्रियों से भी की मुलाकात: मंत्री ने कहा कि ट्रेन यात्रा न केवल सुरक्षित और सुविधाजनक है, बल्कि यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक प्रभावी कदम है। जनप्रतिनिधियों को जनता से जुड़े रहना चाहिए और सामान्य नागरिकों की तरह यात्रा कर उनकी समस्याओं और अनुभवों को समझना चाहिए। ट्रेन यात्रा के दौरान कई यात्रियों ने भी मंत्री से

मुलाकात की और विभिन्न स्थानीय मुद्दों को लेकर बातचीत की।

जमुई में अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक: जमुई पहुंचने के बाद प्रभारी मंत्री संजय सिंह जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करेंगे। बैठक में जिले में चल रही लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग की योजनाओं, पेयजल आपूर्ति, नल-जल योजना, जल संरक्षण कार्यों और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में चल रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही मंत्री जिले में विभिन्न विकास योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट भी लेंगे और अधिकारियों को समय पर योजनाओं को पूरा करने के निर्देश देंगे। इसके अलावा वे स्थानीय जनप्रतिनिधियों और आम लोगों से भी मुलाकात कर क्षेत्र की समस्याओं और विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त करेंगे।

प्रभारी मंत्री बनने के बाद पहुंचे जमुई

निगरानी के लिए 34 मंत्रियों को किया गया नियुक्त: बिहार सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए राज्य के सभी 34 मंत्रियों को जिला प्रभारी नियुक्त किया है। सरकार के अनुसार ये मंत्री अपने आवंटित जिलों की 'जिला कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति' के अध्यक्ष के रूप में विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं की सीधी निगरानी करेंगे। सूची के अनुसार मंत्री विजय कुमार चौधरी को पटना और नालंदा का प्रभार मिला है, जबकि उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा को गयाजी और गोपालगंज की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल को मुजफ्फरपुर और बांका, राम कृपाल यादव को बेगूसराय, नीरज मिश्रा को भागलपुर और निशांत कुमार को वैशाली का प्रभारी बनाया गया है। योजनाओं को समय पर पूरा करने और बेहतर प्रशासनिक तालमेल के लिए मंत्रियों के साथ वरिष्ठ आईएएस (IAS) अधिकारियों को भी विशेष प्रभारी सचिव नियुक्त किया गया है।

21 मई को शहर का कचरा नहीं उठाएंगे सफाईकर्मी

स्वच्छता सर्वेक्षण में गिर सकती सिटी की रैंकिंग

एजेंसी, पटना

पटना में अभी स्वच्छता सर्वेक्षण चल रहा है। इस बीच शहर में कचरे का अंबार लगने वाला है। 21 मई को पटना नगर निगम के 8000 कर्मी एक दिवसीय हड़ताल पर जाएंगे। इसमें मजदूर, सफाई कर्मी, ड्राइवर, स्वीपर शामिल हैं। पटना नगर निगम कर्मचारी संयुक्त समन्वय समिति के प्रवक्ता जितेंद्र कुमार ने कहा कि हड़ताल को लेकर आयोजित बैठक में इस बात पर रोष व्यक्त किया गया कि तात्कालीन नगर आयुक्त के जाते ही नगर निगम कर्मचारियों का वेतन, पेंशन समय पर नहीं मिल पा रहा है। कर्मचारियों के वेतन वृद्धि के बकाया का भुगतान नहीं हुआ है।

जुलाई में होगा अनिश्चितकालीन हड़ताल: सफाई कर्मियों ने चेतावनी दी है कि अगर मांगें पूरी नहीं हुई तो जुलाई में अनिश्चितकालीन हड़ताल होगी।

♦ पटना में 8000 जाएंगे हड़ताल पर

वेतन भुगतान को लेकर विभिन्न स्तरों पर अनावश्यक विलंब, टालमटोल और उपेक्षापूर्ण प्रशासनिक रवैया अपनाया जा रहा है। हड़ताल में सड़क पर कचरा फैल जाएगा। दुर्गन्ध के चलते सड़कों पर चलना मुश्किल हो जाएगा। बारिश का भी सीजन आने वाला है। ऐसे में शहर के गली-मोहल्ले और मुख्य सड़कों पर कूड़ा-कचरा सड़ने लगेगा।

45° डिग्री के करीब पहुंचा 3 जिलों का तापमान

एजेंसी, पटना

कुछ दिनों की राहत के बाद पटना सहित पूरे राज्य में एक बार फिर गर्मी बढ़ गई है। सोमवार को प्रदेश के 3 जिलों का तापमान 45°C के करीब पहुंच गया, जो इस साल बिहार में मौसम का सबसे गर्म दिन रहा। 44.6°C के साथ गयाजी सबसे गर्म जिला रहा। रोहतास का तापमान 44.5°C , जबकि बक्सर का तापमान 44.4°C दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने आज रोहतास, कैमूर और बक्सर में हीटवेव का रेड अलर्ट जारी किया है।

भीषण गर्मी को देखते हुए बक्सर डीएम ने क्लास 1 से 8 तक के सभी निजी और सरकारी स्कूल 31 मई तक के लिए बंद करने का आदेश दिया है। वहीं समस्तीपुर में सुबह 11 बजे तक ही क्लास चलेंगे। मौसम

विभाग के अनुसार अगले चार दिनों तक तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है।

दिन में तेज धूप और उमस लोगों को परेशान करेगी। शाम के समय कुछ इलाकों में बूंदाबांदी हो सकती है। वहीं, बिहार में 25 मई से नौतपा की शुरुआत हो रही है, जो 2 जून तक रहेगा। इस दौरान लगातार 9 दिनों तक भीषण गर्मी और लू का असर देखने को मिलेगा। इस अवधि में तापमान अपने चरम पर पहुंच सकता है।

दानापुर में पंचायत स्तर पर 'सहयोग शिविर'

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार ने आम लोगों की समस्या के समाधान के लिए पंचायत स्तर पर पहल की जा रही है। पटना जिला प्रशासन की ओर से दानापुर प्रखंड में 'सहयोग शिविर' की शुरुआत हुई है, जिसका उद्घाटन उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने किया। यह शिविर दानापुर प्रखंड की सरारी पंचायत के दरियापुर गांव में लगा है। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान से की गई है। मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को उनकी छोटी-बड़ी समस्याओं के समाधान के लिए प्रखंड और जिला मुख्यालय के चक्कर लगाने से राहत दिलाना है। शिविर में पहुंची रिंकू देवी ने कहा कि मेरी जमीन का जबरन कब्जा किया जा रहा है। 7 मई की रात को बाउंड्री तोड़ दी गई। केस हुआ, पर कार्रवाई नहीं हुई है। शिकायत लेकर शिविर में आई हूं। यहां करना है बताया ही नहीं जा रहा है।

लापरवाही करने वाले अधिकारी पर कार्रवाई होगी: डिप्टी सीएम विजय चौधरी ने कहा कि ये बहुत ही जनउपयोगी कार्यक्रम

है। जिन लोगों ने जिस विभाग की शिकायतें पहले की थी, उन सब की जांच कर निदान कर दिया गया है। आज भी अलग-अलग विभाग के स्टॉल बने हैं। जितने भी आवेदन आएंगे। सब को ऑनलाइन भी रखा जाएगा। समय पर 30 दिन के अंदर निष्पादन होगा। जो अधिकारी लापरवाही करेंगे उनपर कार्रवाई होगी।

आवास योजना घर की चाबी सौंपी: लाभार्थी रीमा कुमारी ठाकुर, हेमंती देवी को लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान के तहत शौचालय निर्माण के लिए 12 हजार का चेक दिया गया है। लाभार्थी सुषमा देवी को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर की चाबी दी गई। लाभार्थी रूबी देवी को लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन के तरह 1100 का चेक दिया गया। लाभार्थी सिम्मी देवी को राशन कार्ड का लाभ दिया गया। इसके साथ ही एक अन्य महिला को भूबंदोबस्ती का लाभ दिया गया।

डिप्टी सीएम ने किया उद्घाटन, समस्या लेकर पहुंची महिला बोली, क्या करना है बताया ही नहीं जा रहा

शिविर में राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, मनरेगा, बिजली, जलापूर्ति, सड़क, आपूर्ति और पंचायत विभाग सहित कई विभागों के अधिकारी मौजूद हैं। ग्रामीण अपनी व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याओं से जुड़े आवेदन सीधे इन अधिकारियों को सौंप सकेंगे। प्रशासन का लक्ष्य है कि प्राप्त शिकायतों का निष्पादन 30 दिनों अंदर किया जाए। कई मामलों का मौके पर ही समाधान करने का भी प्रयास किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

मोतिहारी में पुलिस को चकमा देकर गांजा तस्कर फरार, पुलिस महकमे में हड़कंप

बीएनएम @ मोतिहारी। बिहार में अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस की सख्ती और लगातार कार्रवाई के दावों के बीच मोतिहारी में पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़ा करने वाली घटना सामने आई है। गांजा तस्करी के आरोप में पकड़ा गया एक शातिर तस्कर पुलिस वाहन से कूदकर फरार हो गया। घटना के बाद पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। बताया जाता है कि आरोपी को हरैया थाना पुलिस न्यायिक प्रक्रिया के तहत मोतिहारी ले जा रही थी। इसी दौरान शहर के व्यस्त चांदमारी चौक के पास आरोपी अचानक वाहन से कूदकर भाग निकला। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना इतनी तेजी से हुई कि वाहन में तैनात पुलिसकर्मी उसे पकड़ नहीं सके और आरोपी मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, एक दिन पूर्व भारत-नेपाल सीमा पर तैनात 47वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करी का खुलासा किया था। एसएसबी जवानों ने बॉर्डर क्षेत्र में एक कार की जांच के दौरान भारी मात्रा में गांजा बरामद किया था। कार्रवाई में कार से करीब 34.450 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया था, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है। एसएसबी ने मौके से एक तस्कर को गिरफ्तार किया था। कार्रवाई के बाद जब्त गांजा, कार तथा आरोपी को आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए हरैया थाना पुलिस को सौंप दिया गया था। इसी बीच आरोपी के पुलिस हिरासत से फरार हो जाने की घटना ने पुलिस सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। घटना के बाद मोतिहारी पुलिस ने जिलेभर में नाकाबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। पुलिस की कई टीमें संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक फरार आरोपी का कोई सुराग नहीं मिल सका था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है तथा मामले की जांच भी शुरू कर दी गई है।

चोरी की बाइक के साथ 27 लीटर नेपाली शराब बरामद, एक गिरफ्तार

बीएनएम @मोतिहारी। जितना थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस एवं एसएसबी की संयुक्त कार्रवाई में चोरी की मोटरसाइकिल के साथ भारी मात्रा में नेपाली शराब बरामद की गई है। कार्रवाई के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। जानकारी के अनुसार, सैनिक रोड बरेला इलाके में संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार युवक को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान बाइक से 90 पीस नेपाली शराब बरामद हुई, जिसकी कुल मात्रा करीब 27 लीटर बताई गई है। पुलिस द्वारा एचएचडी मशीन से मोटरसाइकिल की जांच की गई, जिसमें बाइक चोरी की पाई गई। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया तथा बाइक और शराब को जब्त कर थाना ले आई। पुलिस ने बताया कि मामले में संबंधित धाराओं के तहत कांड दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। वहीं शराब तस्करी एवं चोरी के वाहनों के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश शुरू कर दी गई है।

चोरी की बाइक के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। शिकारगंज थाना क्षेत्र में वाहन जांच अभियान के दौरान पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। एनएच-227एफ टोल प्लाजा के समीप वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक चोरी की मोटरसाइकिल के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, पुलिस द्वारा एचएचडी मशीन से मोटरसाइकिल की जांच की गई, जिसमें बाइक चोरी की पाई गई। जांच में यह भी सामने आया कि उक्त मोटरसाइकिल को लेकर नेपाल के जलेश्वर थाना क्षेत्र में सन्हा दर्ज है। पुलिस ने मौके से नवलेश कुमार, पिता जितेन्द्र पासवान, निवासी नयागांव महुआवा, थाना पिपराही, जिला शिवहर को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ के बाद पुलिस ने बाइक जब्त कर ली है। इस संबंध में शिकारगंज थाना कांड संख्या 90/26 दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है तथा चोरी के वाहन गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की भी तलाश की जा रही है।

चोरी की दो मोटरसाइकिल के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। चिरैया थाना क्षेत्र में गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चोरी की दो मोटरसाइकिल के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार, चिरैया थाना पुलिस ने ग्राम महुआवा में छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने दो मोटरसाइकिल के साथ एक संदिग्ध युवक को पकड़ा। पूछताछ के दौरान युवक वाहन से संबंधित कोई वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने एचएचडी मशीन से दोनों मोटरसाइकिल की जांच की, जिसमें दोनों वाहन चोरी के पाए गए। जांच के बाद पुलिस ने दोनों मोटरसाइकिल जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में कांड दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। साथ ही चोरी के वाहन गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए भी जांच जारी है।

मुंशी सिंह महाविद्यालय में स्नातक तृतीय सेमेस्टर परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न

बीएनएम @ मोतिहारी। बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के तत्वावधान में आयोजित स्नातक (सी.बी.सी.एस.) तृतीय सेमेस्टर, सत्र 2024–28 की परीक्षा के ग्यारहवें दिन मंगलवार को मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी परीक्षा केंद्र पर परीक्षा शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हुई। महाविद्यालय को एल.एन.डी कॉलेज तथा मोतिहारी डिग्री इवनिंग कॉलेज, मोतिहारी के परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केंद्र बनाया गया है। मंगलवार को प्रथम एवं द्वितीय पाली में "कौशल वृद्धि पाठ्यक्रम" के अंतर्गत "कम्युनिकेशन इन प्रोफेशनल लाइफ" विषय की परीक्षा आयोजित की गई। प्रथम पाली में 425 तथा द्वितीय पाली में 244 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। महाविद्यालय प्रशासन की ओर से परीक्षा को अनुशासित, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एम.एन. हक एवं परीक्षा नियंत्रक डॉ. मशहूर अहमद के हवाले से मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने यह जानकारी दी।

जिला के 54 पंचायतों में सहयोग शिविर का सफल आयोजन, ग्रामीणों की उमड़ी भारी भीड़

» प्रभारी मंत्री श्रवण कुमार ने हरपुरनाग, चिंतामणपुर और वीरपुर छपरा में सुनी जनता की समस्याएं
» "सरकार आपके द्वार" की अवधारणा को साकार कर रहा सहयोग शिविर : प्रभारी मंत्री

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जन समस्याओं के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पूर्वी चंपारण जिले में मंगलवार को सहयोग शिविर के प्रथम चरण का व्यापक आयोजन किया गया। निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप जिले के सभी 27 प्रखंडों के दो-दो पंचायतों सहित कुल 54 पंचायतों में सहयोग शिविर आयोजित हुए, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर अपनी समस्याएं दर्ज कराईं। ग्रामीण विकास विभाग एवं सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री -सह- पूर्वी चंपारण के प्रभारी मंत्री श्रवण कुमार ने मेहसी, चकिया एवं पिपराकोठी प्रखंड के क्रमशः हरपुरनाग, चिंतामणपुर एवं वीरपुर छपरा पंचायत में आयोजित सहयोग शिविरों में भाग लेकर आमजन की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना। इस दौरान उनके साथ मोतिहारी विधायक प्रमोद कुमार, जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात, अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी निशांत सिहारा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। वहीं शिविर में पहुंचे नागरिकों से सीधे संवाद करते हुए प्रभारी मंत्री ने उनकी शिकायतों एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को सभी मामलों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। हरपुरनाग पंचायत में आयोजित शिविर में पात्र लाभुकों के बीच राशन कार्ड एवं मनरेगा जॉब कार्ड का वितरण किया गया। यहां कुल 60 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 58 आवेदनों का निष्पादन मौके पर ही कर दिया गया। शेष दो आवेदनों के शीघ्र समाधान का निर्देश अधिकारियों को दिया गया। चिंतामणपुर पंचायत में कुल 90 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 84 मामलों का निष्पादन कर दिया गया। शेष आवेदनों के त्वरित समाधान का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर जीविका समूह की 3245 दीदियों को कुल 51 करोड़ रुपये की योजनाओं का सांकेतिक चेक भी प्रदान किया गया। वहीं वीरपुर छपरा पंचायत में कुल 207 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 206 का निष्पादन कर दिया गया। केवल एक आवेदन लंबित रहने पर उसके शीघ्र निष्पादन के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर अपने संबोधन में मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि सहयोग शिविर राज्य सरकार की जनकल्याणकारी एवं महत्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य प्रशासन को गांव-गांव तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि पहले लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए प्रखंड, जिला एवं राजधानी तक के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब सरकार ने स्थानीय स्तर पर ही समयबद्ध समाधान की व्यवस्था सुनिश्चित की है। समय सीमा के भीतर समाधान नहीं होने पर जवाबदेही एवं दंडात्मक कार्रवाई का भी प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार विकास एवं जनकल्याण के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ा रही है। आज राज्य के अंतिम व्यक्ति तक बिजली पहुंची है और गरीब परिवारों के घर भी रोशन हो रहे हैं। सरकार द्वारा 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध कराना गरीबों के जीवन में सकारात्मक बदलाव का बड़ा कदम है। मंत्री ने "जल-जीवन-हरियाली" अभियान का उल्लेख करते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण को वर्तमान समय की आवश्यकता बताया। उन्होंने लोगों से अपने बच्चों के जन्मदिन एवं माता-पिता की पुण्यतिथि पर पौधारोपण करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान हेतु गांव-गांव तक प्रशासनिक पहुंच सुनिश्चित कर रही है। सहयोग शिविर केवल शिकायत निवारण का माध्यम नहीं, बल्कि जनता और प्रशासन के बीच विश्वास एवं संवाद को मजबूत करने का प्रभावी मंच बन चुका है। सरकार की मंशा है कि किसी भी नागरिक को अपनी समस्या के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।कार्यक्रम में जिला प्रशासन के वरीय पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

प्रभारी सचिव ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा कर शीघ्र पूर्ण करने का दिया निर्देश

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। शहर स्थित जिला अतिथि गृह के सभागार में मंगलवार को प्रभारी सचिव, पूर्वी चम्पारण -सह- सचिव डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग, बिहार सरकार शीर्षत कपिल अशोक की अध्यक्षता में विभागीय समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक में जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल, सदर अनुमंडल पदाधिकारी निशांत सिहारा समेत विभिन्न विभागों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक के दौरान जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. विनोद कुमार ने विभागीय कार्यों से संबंधित विस्तृत प्रस्तुतीकरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि अप्रैल 2026 में जिले में कुल 16,323 पशुओं का उपचार किया गया, जबकि 542 छोटे पशुओं का बधियाकरण किया गया। वहीं चलंत पशु चिकित्सा शिविरों के माध्यम से कुल 13 शिविर आयोजित कर 3,781 पशुओं का इलाज किया गया। वहीं मोबाइल वेटनरी यूनिट (एम.भी.यू) के द्वारा 9,103 पशुओं का उपचार किया गया। अप्रैल माह में कुल 1,079 कृत्रिम गर्भाधान भी किए गए। एफएमडी राउंड- 6 टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में 6,75,250 पशुओं को खुरपका-मुंहपका रोग से बचाव हेतु टीका लगाया गया। बैठक में यह भी बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में समेकित भेड़-बकरी योजना के तहत 90 प्रतिशत अनुदान पर 2 मादा एवं 1 नर यूनिट योजना से 113 परिवारों को लाभान्वित किया गया। वहीं सूकर विकास योजना के तहत 90 प्रतिशत अनुदानित दर पर 2 मादा एवं 1 नर यूनिट के माध्यम से 69 परिवारों को लाभ मिला। प्रभारी सचिव शीर्षत कपिल अशोक ने डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन विभाग की केंद्र प्रायोजित योजना प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना एवं राज्य योजनाओं के विभिन्न अवयवों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सभी योजनाओं को यथाशीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया।

किशोर न्याय परिषद में फर्जी टीसी कांड का खुलासा, दो शिक्षक समेत तीन गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। किशोर न्याय परिषद में एक अभियुक्त को नाबालिग साबित करने के लिए फर्जी ट्रांसफर सर्टिफिकेट (टीसी) और संदिग्ध शैक्षणिक दस्तावेज जमा करने के मामले में नगर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो सरकारी शिक्षक एवं एक सरकारी शिक्षिका को गिरफ्तार किया है। मामले को लेकर पूरे शिक्षा विभाग और प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, चिरैया थाना कांड संख्या 126/22 एवं किशोर न्याय परिषद वाद संख्या 3009/26 में अभियुक्त भोला कुमार उर्फ भोला साह द्वारा न्यायालय में एक शपथ पत्र और विद्यालयीय दस्तावेज प्रस्तुत किए गए थे। दस्तावेजों में उसने स्वयं को नाबालिग बताते हुए राजकीय मध्य विद्यालय, परेवा का छात्र होने का दावा किया था। इसके समर्थन में आठवीं उत्तीर्ण का टीसी भी जमा किया गया था, जिसमें जन्मतिथि 15 मई 2006 अंकित थी। मामले की जांच के दौरान किशोर न्याय परिषद की ओर से विद्यालय प्रशासन से दस्तावेजों का सत्यापन कराया गया। जांच में नामांकन पंजी में कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। पंजी न तो सत्यापित पाया गया और न ही पृष्ठांकित। इसके अलावा नामांकन के आधार से संबंधित कोई वैध दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं मिला। जांच में यह भी सामने आया कि नामांकन पंजी को 24 अप्रैल 2014 को बंद किए जाने का उल्लेख लाल स्याही से किया गया था, लेकिन उसके बाद अलग स्याही से तीन और नामांकन दर्ज किए गए थे। इनमें भोला कुमार उर्फ भोला साह का नाम भी शामिल था। प्रथम दृष्टया इसे संदिग्ध और फर्जीवाड़े का मामला माना गया। इस संबंध में किशोर न्याय परिषद में कार्यरत बेंच क्लर्क मो. शाहिद ने नगर थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की थी। आवेदन के आधार पर नगर थाना कांड संख्या 453/26 दर्ज कर पुलिस ने अनुसंधान शुरू किया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जांच के दौरान परेवा निवासी सरकारी शिक्षक सुबोध कुमार पाठक, अभियुक्त भोला कुमार उर्फ भोला साह तथा एक सरकारी शिक्षिका को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर न्यायालय को गुमराह करने का आरोप है। पुलिस ने महिला शिक्षिका की पहचान सार्वजनिक नहीं की है। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 336(3), 318(4), 338, 229(1) एवं 61(2) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अन्य संभावित आरोपियों और विद्यालय कर्मियों की भूमिका की भी जांच कर रही है। इस कार्रवाई में नगर थाना के अपर थानाध्यक्ष चंदन कुमार, नाका-04 प्रभारी शिवशंकर पासवान, प्रशांत कुमार एवं नगर थाना रिजर्व गार्ड की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

युवा शोधार्थी संवाद कार्यक्रम में राष्ट्र, समाज, इतिहास और शिक्षा पर हुआ मंथन

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। "राष्ट्र भक्ति प्रेरणा का गान वन्देमातरम्, राम के बनवास का गान है वन्देमातरम्, जन-जन के हर कंठ का गान हो वन्देमातरम्" जैसी पंक्तियों और राष्ट्रभक्ति के उद्घोष के बीच महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के चाणक्य परिसर स्थित राजकुमार शुक्ल सभागार में "युवा शोधार्थी संवाद" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय विमर्श कार्य प्रमुख और प्रचार टोली सदस्य मुकुल कानिटकर ने मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्र निर्माण, सामाजिक संगठन, इतिहास, शिक्षा और शोध की आवश्यकता पर विस्तार से विचार रखे। उन्होंने कहा कि युवाशक्ति को जिम्मेदार बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलानुशासक प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने किया और कहा की युवा जिम्मेदार और समाज के प्रति संवेदनशील होने से समाज का विकास होगा। यहां पर उपस्थित शोधार्थी समाज की उन्नति के लिए अपने शोध को आगे बढ़ाएंगे। महात्मा गाँधी केंद्रीय विश्वविद्यालय का सदैव प्रयास रहता है कि विद्यार्थियों में देश और समाज के प्रति कर्तव्य की भावना का संचार हो। युवा हमारे देश का भविष्य है और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर रहा है और उसका मूल उद्देश्य व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि समाज को संगठित होने की आदत डालनी होगी। केवल शाखा ही नहीं, बल्कि मंदिर, सामाजिक कार्यों और दैनिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में संगठन की भावना विकसित करनी होगी। "समाज जुड़ेगा तो राष्ट्र खड़ा होगा," इसी विचार को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि मतभेद भुलाकर सामाजिक एकता मजबूत करनी होगी। मुख्य वक्ता मुकुल कानिटकर ने कहा कि भारत 1947 में स्वतंत्र हुआ, लेकिन यह शोध का विषय है कि जब देश इससे पूर्व ही स्वतंत्र हो सकता था, तो आजादी में इतनी देर क्यों हुई। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद भी "स्व" का सही अर्थ समाज नहीं समझ पाया और आज भी हमारी कई व्यवस्थाएँ अंग्रेजियत के प्रभाव में हैं। इतिहास के संदर्भ में उन्होंने 1905 के बंग-भंग आंदोलन को सफल जनआंदोलन बताते हुए कहा कि उसके दबाव में ब्रिटिश सरकार को बंगाल विभाजन वापस लेना पड़ा। उन्होंने कहा कि विभाजन का दर्द और राष्ट्रीय चरित्र का प्रश्न आज भी प्रासंगिक है। स्वार्थी समाज से राष्ट्रीय चरित्र का विकास संभव नहीं है। शोध के महत्व पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि समाज का विचार बदलना है, तो गहन अध्ययन आवश्यक है। शोधार्थियों से मूल ग्रंथों और प्रमाणिक स्रोतों के अध्ययन का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं के मूल शब्द संस्कृत से जुड़े हैं और भारतीय ज्ञान परंपरा को समझने के लिए मूल स्रोतों तक जाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान अकादमिक जगत में यूरोपीय विचारों का प्रभाव अधिक दिखाई देता है। "जिस दिन अमेरिका कहेगा कि धोती अच्छी है, उसी दिन हम उसे स्वीकार करने लगेंगे," यह कहते हुए उन्होंने मानसिक गुलामी पर चिंता जताई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आत्मगौरव के बिना आत्मनिर्भरता संभव नहीं है। राष्ट्रीय एकात्मता पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक शक्ति विश्व को जोड़ने की क्षमता रखती है। उन्होंने रामायण का उल्लेख करते हुए कहा कि दुनिया के कई देशों में इसे सम्मान प्राप्त है। शिक्षा व्यवस्था पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रवेश परीक्षा प्रणाली और शिक्षा ढाँचे पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। यदि बिना परिश्रम सफलता पाने की प्रवृत्ति बढ़ेगी, तो यह राष्ट्र के भविष्य के लिए घातक होगा। संवाद कार्यक्रम में शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने कई प्रश्न पूछे, जिसका समुचित उत्तर मुकुल कानिटकर ने दिया। गौतम कुमार के प्रश्न का उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं और संस्कृत की समझ भारतीय ज्ञान परंपरा को समझने में सहायक है। अंत में उन्होंने कहा कि शोध का उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि समाज को दिशा देना होना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुपम कुमार ने अतिथियों का परिचय डॉ. अरुण के द्वारा किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय एवं शहर के कई गणमान्य व्यक्ति एवं समाजसेवी श्याम सुंदर राम, संतोष, डॉ. शिवेंदु, डॉ. नरेंद्र सिंह, डॉ. अमित रंजन, डॉ. मुस्कान, शिवम सोनू रविशंकर वर्मा, जितेंद्र त्रिपाठी बसंत लाल सहित अन्य उपस्थित रहे।

रघुनाथपुर एटीएम चोरी कांड का खुलासा, अंतरराज्यीय गिरोह के दो अपराधी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। पूर्वी चम्पारण पुलिस ने रघुनाथपुर थाना क्षेत्र में हुई 37 लाख रुपये से अधिक की एटीएम चोरी की बड़ी घटना का सफल उद्भेदन करते हुए अंतरराज्यीय एटीएम चोर गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त गैस कटर उपकरण तथा वाहन से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्य भी बरामद किए हैं। गिरफ्तार अपराधियों ने बिहार के विभिन्न जिलों में एटीएम काटकर चोरी की कई घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 29 अप्रैल 2026 को हिताची पेमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के अधिकृत अधिवक्ता संजय कुमार सिंह ने रघुनाथपुर थाना में लिखित आवेदन देकर बताया था कि कंपनी द्वारा रघुनाथपुर बस स्टैंड के समीप स्थापित भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के एटीएम की देखरेख एवं रखरखाव किया जाता है। 29 अप्रैल की देर रात करीब एक बजे से तीन बजे के बीच अज्ञात अपराधियों ने एटीएम के अलार्म और सीसीटीवी कैमरे को क्षतिग्रस्त कर दिया तथा गैस कटर से मशीन को काटकर उसमें रखे 37 लाख 36 हजार 100 रुपये नगद चोरी कर फरार हो गए। घटना की गंभीरता को देखते हुए रघुनाथपुर थाना कांड संख्या 148/26 दर्ज कर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-01 मोतिहारी के नेतृत्व में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। जांच टीम ने वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुसंधान के आधार पर घटना में प्रयुक्त उजले रंग की स्विफ्ट डिजायर कार को चिन्हित किया। पुलिस ने वाहन के फास्टैग से जुड़े नंबर प्लेट को मुख्य अभियुक्त के घर से बरामद किया। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त पीतल का गैस कटर नोजल लाल एवं नीले रंग के रबर पाइप सहित जब्त किया गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हरियाणा एवं राजस्थान से जुड़े दो अपराधियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अपराधियों में हरियाणा के नुहु जिला अंतर्गत पिनगवा थाना क्षेत्र निवासी अमरूद्दीन का पुत्र साहिल तथा राजस्थान के खैरतल जिला अंतर्गत चौपांगो थाना क्षेत्र निवासी कलीला खाँ का पुत्र जुहुर खाँ शामिल हैं। पूछताछ में दोनों अपराधियों ने संगठित गिरोह के माध्यम से बिहार के कई जिलों में एटीएम काटकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। पुलिस अन्य फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है। सदर डीएसपी दिलीप कुमार ने बताया कि घटना के उद्भेदन के लिए गठित एसआईटी टीम ने तकनीकी एवं वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर अपराधियों तक पहुंचने में सफलता हासिल की। उन्होंने कहा कि जिले में संगठित अपराध और एटीएम चोरी की घटनाओं में शामिल अपराधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है तथा फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। इस कार्रवाई में सदर डीएसपी दिलीप कुमार, अरेराज एसडीपीओ रवि कुमार, साइबर डीएसपी अभिनव परासर, रघुनाथपुर थानाध्यक्ष धनंजय कुमार, साइबर थाना के प्रत्युष कुमार तथा जिला आसूचना इकाई की टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जनजातीय गरिमा उत्सव 2026 के तहत संतृप्ति शिविर आयोजित, 365 लाभार्थियों ने लिया योजनाओं का लाभ

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिले के केसरिया प्रखंड के पश्चिम सरोतर तथा कल्याणपुर प्रखंड के दरमाहा पंचायत सरकार भवन में मंगलवार को जनजातीय गरिमा उत्सव 2026 के अंतर्गत जनभागीदारी अभियान-सह-संतृप्ति शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराई गईं तथा लाभार्थियों से विभिन्न योजनाओं के लिए आवेदन प्राप्त किए गए। शिविर में कुल 365 लाभार्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मियों की सक्रिय सहभागिता रही। शिविर के दौरान आधार कार्ड के लिए 9, आयुष्मान कार्ड के लिए 21, राशन कार्ड के लिए 3, मनरेगा जॉब कार्ड के लिए 7 तथा बैंक खाता खोलने हेतु 4 आवेदन प्राप्त किए गए। वहीं जाति, आय एवं आवासीय प्रमाण पत्र के लिए कुल 10 आवेदन जमा किए गए। इसके अलावा स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाओं के तहत कुल 185 लोगों को स्वास्थ्य जांच, गर्भवती महिलाओं की जांच तथा अन्य परामर्श सेवाएं प्रदान की गईं। आयुष्मान कार्ड के लिए 21 लाभार्थियों का ऑनलाइन आवेदन भी किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य दूरस्थ एवं वंचित जनजातीय समुदायों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना एवं विभिन्न सेवाओं से उन्हें संतृप्त करना था। लाभार्थियों ने शिविर की सराहना करते हुए इसे जनहित में सराहनीय पहल बताया। इस अवसर पर जिला कल्याण पदाधिकारी संतोष कुमार पांडेय, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी विकास कुमार, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी जयश्री, संबंधित विकास मित्र सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

पॉक्सो एक्ट के दो आरोपित समेत चार गिरफ्तार

बीएनएम @ अरेराज। पहाड़पुर थाना क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पहाड़पुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थानाध्यक्ष अजय कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर पॉक्सो एक्ट के दो आरोपित, एक फरार वारंटी तथा शराब पीने के आरोपी समेत कुल चार लोगों को गिरफ्तार किया है। सभी गिरफ्तार अभियुक्तों को चिकित्सकीय जांच एवं आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस की सबसे बड़ी कार्रवाई पॉक्सो एक्ट से जुड़े मामले में हुई। कांड संख्या 38/24 में नामजद दो फरार अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपितों में पहाड़पुर निवासी राजदेव पासवान, पिता गणपत पासवान तथा दुर्गेश पासवान, पिता संतु उर्फ संतोष पासवान शामिल हैं। बताया जाता है कि दोनों आरोपी लंबे समय से फरार चल रहे थे। पुलिस ने तकनीकी एवं स्थानीय सूचना के आधार पर छापेमारी कर दोनों को गिरफ्तार किया। इसके अलावा शराबबंदी कानून के उल्लंघन के मामले में पुलिस ने कांड संख्या 298/26 के तहत नोनिया मिश्री टोला निवासी नीरज कुमार, पिता हीरालाल महतो को शराब पीने के आरोप में गिरफ्तार किया। जांच के दौरान शराब सेवन की पुष्टि होने पर उसके विरुद्ध कार्रवाई की गई। वहीं न्यायालय से जारी वारंट के आलोक में पुलिस ने एसटीआर संख्या 1422/2024 के फरार वारंटी साहेब कुमार सिंह, पिता विजय सिंह, निवासी बलुआ बरवा टोला को भी गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखना और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई करना पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि फरार अभियुक्तों, वारंटियों तथा असामाजिक तत्वों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

शराब के नशे में युवक ने थाने में घुसकर दरोगा से की मारपीट, गिरफ्तार

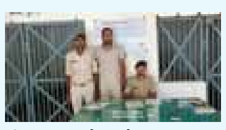

बीएनएम @ तुरकौलिया। थाना परिसर में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब एक युवक शराब के नशे में धुत होकर थाने पहुंचा और ड्यूटी पर तैनात दरोगा के साथ मारपीट करने लगा। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी युवक को खदेड़कर पकड़ लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान सेमरा टोला निवासी सुलेमान अंसारी के पुत्र फिरोज आलम के रूप में हुई है। घटना के संबंध में पीड़ित दरोगा वरुण कुमार ने थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज आवेदन में उन्होंने बताया है कि वह थाना में ओडी ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान एक युवक थाना परिसर में पहुंचा और जोर-जोर से हंगामा करने लगा। जब पुलिसकर्मी उसके पास पहुंचे तो उसके मुंह से शराब की तेज गंध आ रही थी। दरोगा द्वारा युवक से शराब पीकर हंगामा करने का कारण पूछते हुए उसे शांत कराने और पकड़ने का प्रयास किया गया। इसी बीच युवक अचानक उग्र हो गया और दरोगा पर मुक्के व धक्का-मुक्की करते हुए हमला कर दिया। हमला करने के बाद वह थाना परिसर से भागने लगा, लेकिन वहां मौजूद पुलिस बलों ने तत्परता दिखाते हुए उसे खदेड़कर पकड़ लिया। पकड़े गए युवक की ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच कराई गई, जिसमें शराब पीने की पुष्टि हुई। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने, मारपीट करने तथा शराबबंदी कानून के तहत मामला दर्ज किया। अपर थानाध्यक्ष रविरंजन कुमार ने बताया कि आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। घटना को लेकर थाना परिसर में कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

तमिलनाडु में मजदूर की मौत, शव पहुंचते ही गांव में मचा कोहराम

बीएनएम @ तुरकौलिया। थाना क्षेत्र के शंकर सरैया दक्षिणी पंचायत अंतर्गत वार्ड संख्या 11 तंसरिया गांव के एक मजदूर की तमिलनाडु में काम के दौरान दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही गांव में मातम पसर गया। शव गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया और अंतिम दर्शन के लिए ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मृतक की पहचान तंसरिया गांव निवासी शेख अलाउद्दीन के 24 वर्षीय पुत्र मुन्ना के रूप में हुई है। बताया जाता है कि मुन्ना करीब एक माह पूर्व ही मजदूरी करने तमिलनाडु गया था, जहां वह निर्माण कार्य में मजदूरी करता था। परिजनों के अनुसार, कार्यस्थल पर क्रेन मशीन से लोहे का भारी एंगल हटाया जा रहा था। इसी दौरान मुन्ना भी वहां काम कर रहा था। क्रेन में फंसाकर लोहे के एंगल को दूसरी जगह ले जाया जा रहा था, तभी अचानक एंगल क्रेन से छूटकर मुन्ना के शरीर पर गिर पड़ा। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद स्थानीय पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। बाद में परिजन और ग्रामीण फ्लाइट से शव को पटना लेकर पहुंचे, जहां से शव गांव लाया गया। शव पहुंचते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। मृतक की पत्नी और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक चार भाइयों और एक बहन में शामिल था। उसकी शादी तीन वर्ष पूर्व ढाका थाना क्षेत्र के कठमलिया गांव में हुई थी। वह अपने पीछे पत्नी, एक पुत्र और एक पुत्री छोड़ गया है। मृतक के भाई सदरे आलम ने बताया कि मुन्ना तीन माह पहले ही घर आया था और परिवार की आर्थिक स्थिति बेहतर करने के लिए दोबारा तमिलनाडु काम करने गया था। उन्होंने कहा कि उसकी मौत ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है। ग्रामीणों ने भी घटना पर गहरा दुख जताया है।

सुशासन का नया अध्याय : ग्राम पंचायत दुलमा में सहयोग शिविर का हुआ आयोजन

बीएनएम @ पकड़ीदयाल। मधुबन प्रखंड के दुलमा पंचायत सरकार भवन में विधायक राणा रणधीर सिंह के अध्यक्षता में सहयोग शिविर आयोजित किया गया। जिसमें प्रखंड एवं अनुमंडल स्तर के पदाधिकारी उपस्थित रहे। शिविर में आम जनता की समस्याओं एवं शिकायतों को सुनकर उनके त्वरित निष्पादन हेतु आवयक निर्देश दिए गए। राजस्व, पेंशन, राशनकार्ड, भूमिविवाद, आवास,विद्युत,नलजल एवं प्रमाण पत्र संबंधी मामलों की सुनवाई की गई। प्राप्त शिकायतों के समाधान का आश्वासन 30 दिनों के भीतर दिया गया। सरकार की मंथा के अनुरूप प्रत्येक पंचायत में हर माह के प्रथम एवं तृतीय मंगलवार को सहयोग शिविर आयोजित किया जाएगा। ताकि ग्रामीणों के समस्याओं का समाधान पंचायत स्तर पर ही समयबद्ध तरीके से हो सके। जैसे कि आप सभी जानते है कि बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने प्रशासन के सभी अधिकारियों को सहयोग शिविर आयोजित करने के लिए आदेश जारी किया। जिसमें इसके बारे में विस्तृत दिशा निर्देश दिए गए हैं। इसमें कहा गया है कि राज्य सरकार आम नागरिकों को इन शिविरों के जरिए अपनी समस्याओं, शिकायतों और सुझाओं को रखने का अवसर प्रदान करना चाहती है।

हरसिद्धि पुलिस की बड़ी कार्रवाई, नाबालिग अपहृता बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ हरसिद्धि। थाना क्षेत्र में दर्ज अपहरण एवं पोक्सो एक्ट से जुड़े मामले में हरसिद्धि पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नाबालिग अपहृता को सकुशल बरामद कर लिया है। वहीं मामले में संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि हरसिद्धि थाना कांड संख्या 270/26, दिनांक 18 मई 2026 के तहत धारा 137(2)/96 बीएनएस एवं पोक्सो एक्ट की धारा 8 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल विशेष पुलिस टीम गठित कर छापेमारी अभियान शुरू किया गया। जांच एवं तकनीकी अनुसंधान के आधार पर पुलिस ने नाबालिग अपहृता को सुरक्षित बरामद कर लिया। इस दौरान मामले में संलिप्त प्राथमिक अभियुक्त बुधिया देवी, पति रामेश्वर साह तथा ज्ञांति देवी, पति स्वर्गीय रविन्द्र साह, दोनों निवासी मानिकपुर वार्ड संख्या 13 को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ एवं आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने कहा कि महिलाओं एवं नाबालिगों की सुरक्षा पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऐसे मामलों में पुलिस लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है। उन्होंने आम लोगों से किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की। इस कार्रवाई में एसआई वर्षा रानी एवं सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे।

सहयोग शिविर में उमड़ी भीड़, 30 दिनों में समाधान का भरोसा

बीएनएम @ हरसिद्धि

हरसिद्धि। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निर्देशानुसार सात निश्चय-3 के तहत चलाए जा रहे "सबका सम्मान, जीवन आसान" अभियान के अंतर्गत मंगलवार को हरसिद्धि प्रखंड के सोनबरसा एवं पानापुर पंचायत भवन में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याओं और शिकायतों को लेकर पहुंचे। खासकर भूमि विवाद एवं जमाबंदी से जुड़े मामलों ने सबसे अधिक ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम का उद्घाटन एसडीएम अंजली शर्मा, बीडीओ गुलशन कुमार, अंचलाधिकारी अरविंद चौधरी तथा चिकित्सा प्रभारी डॉ. सुनील कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। अधिकारियों ने कहा कि शिविर का उद्देश्य पंचायत स्तर पर आम लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। बीडीओ गुलशन कुमार ने बताया कि अब तक आयोजित सहयोग शिविरों में कुल 102 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनका निष्पादन किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि मंगलवार को प्राप्त सभी आवेदनों का निष्पादन अधिकतम 30 दिनों के भीतर कर दिया जाएगा। वहीं अंचलाधिकारी अरविंद चौधरी ने ग्रामीणों से आपसी सहमति के आधार पर पुराने जमाबंदी एवं भूमि विवाद मामलों का समाधान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोग मिल-बैठकर विवाद सुलझाएं तो कई समस्याओं का आसानी से निपटारा हो सकता है। शिविर में ग्रामीणों ने भूमि विवाद, राशन कार्ड, पेंशन, आवास योजना, मनरेगा, स्वास्थ्य, कृषि एवं अन्य विभागों से संबंधित समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया, जबकि शेष आवेदनों को जांच एवं कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को भेज दिया गया। कार्यक्रम में ग्रामीण विकास पदाधिकारी प्रियांशी प्रिया, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी आदित्य अंशु, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी जयमाला कुमारी, श्रम परिवर्तन पदाधिकारी मासूम राजा, कृषि पदाधिकारी राघव प्रसाद, मनरेगा कार्यक्रम पदाधिकारी अश्विनी कुमार, प्रखंड उत्थान पदाधिकारी सुनील मिश्रा, जीविका प्रबंधक कृष्ण भारद्वाज, कन्या अभियंता नीतीश कुमार, प्रधानाध्यापक संतोष कुमार प्रसाद तथा मुखिया संध्या तराना और अभिषेक कुशवाहा उर्फ मुन्ना समेत कई जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

पताही में दर्दनाक हादसा, ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत

बीएनएम @ पताही

पताही। थाना क्षेत्र के परसौनी कपूर गांव में सोमवार की दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई, जिससे चालक उसके नीचे दब गया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। मृतक की पहचान परसौनी कपूर गांव निवासी संतोष कुमार के 25 वर्षीय पुत्र गौरव कुमार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि गौरव ट्रैक्टर लेकर गांव की ओर जा रहा था। इसी दौरान अचानक वाहन का संतुलन बिगड़ गया और ट्रैक्टर सड़क से नीचे उतरकर पलट गई। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर के नीचे दब गया। आसपास मौजूद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उसे बाहर निकालने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए। बाद में जेसीबी मशीन की मदद से ट्रैक्टर को सीधा कराया गया। इधर, परिजन युवक के शव को अपने साथ घर ले गए। युवक की असमय मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में भी मातम पसरा हुआ है और लोग घटना से स्तब्ध हैं। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रैक्टर काफी तेज गति में था, जिसके कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और यह दर्दनाक हादसा हो गया। घटना के बाद पूरे इलाके में मातमी सन्नाटा पसरा हुआ है।

रामगढ़वा के अधकपरिया और जैतापुर पंचायत में सहयोग शिविर, 258 आवेदनों का मौके पर समाधान

बीएनएम @रामगढ़वा

रामगढ़वा। बिहार सरकार की ओर से आम लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से चलाए जा रहे सहयोग शिविर अभियान के तहत मंगलवार को प्रखंड क्षेत्र के अधकपरिया एवं जैतापुर पंचायत में विशेष सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी विभिन्न समस्याओं और शिकायतों को लेकर पहुंचे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में स्थानीय विधायक बबलू गुप्ता मौजूद रहे। वहीं अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश कुमार, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी इंद्रजीत दास, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी अशोक पन्ना, प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रंजन कुमार समेत कई विभागों के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। शिविर के दौरान अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से लोगों की समस्याएं सुनीं। दोनों पंचायतों से कुल 314 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से त्वरित कार्रवाई करते हुए 258 आवेदनों का मौके पर ही निष्पादन कर दिया गया। शेष बचे आवेदनों को संबंधित विभागों को भेजते हुए उनके शीघ्र समाधान की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। बीडीओ राकेश कुमार ने बताया कि सरकार की मंशा है कि ग्रामीणों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े। उन्होंने कहा कि बचे हुए आवेदनों का भी जल्द ही प्रखंड स्तरीय टीम द्वारा निष्पादन सुनिश्चित किया जाएगा। शिविर में राशन कार्ड, पेंशन, भूमि विवाद, आवास योजना, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा अन्य विभागों से जुड़े मामलों को लेकर लोगों ने आवेदन दिए। कई मामलों का तत्काल समाधान होने से ग्रामीणों में संतोष देखा गया।

यूपी की कानून व्यवस्था को लेकर भड़की भाकपा, योगी सरकार के खिलाफ पुतला दहन

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। उत्तर प्रदेश में वकीलों, दलितों और मजदूर नेताओं पर हो रहे कथित हमलों एवं पुलिस कार्रवाई के विरोध में पश्चिम चंपारण में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पुतला दहन कर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन किया जा रहा है और जनता की आवाज दबाने के लिए पुलिसिया ताकत का दुरुपयोग हो रहा है। भाकपा नेताओं ने कहा कि योगी सरकार में पुलिस अराजक और हमलावर भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में वकील, डॉक्टर और शिक्षक जैसे पेशों को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है, लेकिन लखनऊ में अधिवक्ताओं के साथ कथित दुर्व्यवहार और मारपीट की घटनाओं ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को शर्मसार किया है। भाकपा नेताओं ने कहा कि यदि न्याय की लड़ाई लड़ने वाले अधिवक्ताओं को ही प्रताड़ित किया जाएगा तो आम जनता का न्याय व्यवस्था से भरोसा कमजोर होगा। प्रदर्शन के दौरान नेताओं ने मजदूरों और दलितों से जुड़े मामलों को भी गंभीर चिंता का विषय बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश में मजदूर नेताओं पर लगातार हमले हो रहे हैं और गरीबों की आवाज दबाई जा रही है। नेताओं ने एक दलित युवक को सरकारी नल से पानी पीने के आरोप में अपमानित किए जाने की घटना की भी निंदा की। उन्होंने इसे मानवता पर कलंक बताते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं सामाजिक न्याय और संविधान की मूल भावना को कमजोर करती हैं। भाकपा नेताओं ने कहा कि उत्तर प्रदेश अपनी समृद्ध संस्कृति, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द के लिए जाना जाता रहा है, लेकिन वर्तमान समय में भय और दमन का माहौल बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि योगी सरकार के कार्यकाल में सामाजिक उत्पीड़न और पुलिसिया दमन की कई घटनाएं सामने आई हैं, जिससे लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों पर खतरा पैदा हो गया है। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार जनता की आवाज दबाने का प्रयास करेगी तो जनआंदोलन और तेज किया जाएगा। उन्होंने मजदूरों, दलितों, किसानों और आम नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने की बात कही। प्रदर्शन के दौरान दोषी पुलिसकर्मियों और प्रशासनिक अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग भी उठाई गई। पुतला दहन कार्यक्रम में भाकपा जिला सचिव ओम प्रकाश क्रांति, राधामोहन यादव, सुबोध मुखिया, संजय सिंह, अंजारूल, नसीम अधिवक्ता, आरती, कैलाश प्रसाद, लक्की समेत बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे।

मुनाफा कमाने की प्रवृत्ति

दवा एवं मेडिकल उपकरणों की ऐसी कीमत तय की जा सकती है, जो कारखाना लागत से चार से पांच गुना अधिक हो। जबकि फिलहाल अस्पताल और रिटेलर इनको लागत से 10 से 25 गुना तक अधिक कीमत पर बेच रहे हैं। ये खबर आक्रोश जरूर पैदा करती है, मगर चौंकाने वाली बिल्कुल नहीं है, कि अस्पताल एवं खुदरा विक्रेता कुछ मेडिकल उपकरणों एवं दवाओं की फैक्टरी मूल्य या आयात लागत की तुलना में 25 गुना अधिक कीमत मरीजों से वसूल रहे हैं। प्राइवेट अस्पताल मरीजों को निचोड़ने का स्थल बन गए हैं, यह आम तजुर्बा बनता गया है। मगर बात इस हद तक पहुंच जाए कि दवा निर्माता कंपनियां ही इसकी शिकायत करने लगें, तो समझा जा सकता है कि हेल्थ केयर सेक्टर में मुनाफा कमाने की प्रवृत्ति कितनी बेलगाम हो गई है। एक खबार की रिपोर्ट के मुताबिक दवा निर्माता कंपनियों ने गुजरे तकरीबन दो साल में कई बार केंद्र को पत्र भेजा। उनकी सरकारी अधिकारियों के साथ बैठक भी हुई। इनमें दवा कंपनियों ने न्यूनतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) के ऊपर कमाये जा रहे मुनाफे की सीमा तय करने की मांग की। स्पष्टतः केंद्र ने इन गुजारिशों को गंभीरता से नहीं लिया। इस आधार पर कहा जा सकता है कि अस्पतालों और रिटेलर्स के अनुचित मुनाफे पर लगाम लगाना उसकी प्राथमिकता नहीं है। लगभग 300 दवा निर्माता कंपनियों के संगठन एसोसिएशन ऑफ इंडियन मेडिकल डिवाइसेज (एआईएमईडी) के पदाधिकारियों ने कहा है कि जो हो रहा है, मरीज उसको लेकर अंधेरे में हैं।
एआईएमईडी ने सरकार को दी गई अर्जी में 'उचित, अधिक पारदर्शी, एवं मरीज केंद्रित मेडिकल उपकरण मार्केटÓ बनाने का अनुरोध किया था। इसमें कहा गया कि असल एमआरपी से अधिक कीमत वसूलने की प्रवृत्ति रोकी जानी चाहिए। मिसाल के तौर पर ड्रेसिंग, बैंडेज और प्लास्टर की ऐसी कीमत तय की जा सकती है, जो कारखाना लागत की तुलना में चार से पांच गुना अधिक हो। जबकि फिलहाल अस्पताल और रिटेलर इनको कारखाना लागत से 10 से 20 गुना अधिक कीमत पर बेच रहे हैं। एआईएमईडी ने नेशनल फर्मास्यूटिकल प्राइसिंग ऑथरिटी को भी पत्र लिखा, जिसे आवश्यक दवाओं की कीमत तय करने का अधिकार मिला हुआ है। मगर कहीं कोई चिंता ना देखने के बाद कंपनियों ने ये तथ्य मीडिया के जरिए सार्वजनिक किए हैं। उनका ये कदम काबिल-ए-तारीफ है। मगर सरकार के रुख को असंवेदनशील और लापरवाह ही कहा जाएगा।

मधुमक्खियां, मानव और प्रकृति : साझी जिम्मेदारी

सुनील कुमार महला

(20 मई दिवस विशेष आलेख)

प्रतिवर्ष 20 मई को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) द्वारा घोषित विश्व मधुमक्खी दिवस (वर्ल्ड बी डे) मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस को मनाने के पीछे का मुख्य उद्देश्य मधुमक्खियों और अन्य परागणकर्ताओं के महत्व के प्रति आम लोगों को जागरूक करना तथा उनके संरक्षण की दिशा में वैश्विक प्रयासों को प्रोत्साहित करना है। हमें यह बात अपने जेहन में रखनी चाहिए कि मधुमक्खियां केवल और केवल शहद बनाने वाली छोटी सी जीव मात्र ही नहीं हैं, बल्कि वे इस पृथ्वी पर जीवन, खाद्य सुरक्षा, जैव- विविधता और पारिस्थितिक संतुलन की अत्यंत महत्वपूर्ण व अहम् कड़ी हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि यदि मधुमक्खियों का अस्तित्व संकट में पड़ता है, तो मानव जीवन, कृषि और पर्यावरण भी गंभीर संकट में आ जाएंगे। इसलिए, मधुमक्खियों का संरक्षण केवल और केवल पर्यावरणीय आवश्यकता ही नहीं है, बल्कि उनका जीवन प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप में कहीं न कहीं मानव अस्तित्व की भी अहम् आवश्यकता है। अतः हमें अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने, धरती से रासायनिक कीटनाशकों के उपयोग को कम करने, जैविक खाद का अधिक उपयोग करने, जैविक खेती अपनाने तथा प्राकृतिक जैव-विविधता को बचाने की दिशा में अपने सामूहिक व यथेष्ठ प्रयास करने होंगे। पाठक जानते होंगे कि खेती, जैव-विविधता और खाद्य सुरक्षा में मधुमक्खियों की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वास्तव में, इस दिवस को मनाने के प्रमुख उद्देश्यों में मधुमक्खियों और अन्य परागणकर्ताओं के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाना, जैव-विविधता और खाद्य-सुरक्षा की रक्षा करना, मधुमक्खियों पर मंडरा रहे खतरों जैसे कि खेतों में कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और उनके प्राकृतिक आवासों के विनाश की ओर ध्यान आकर्षित करना, सतत कृषि और मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देना तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था और किसानों की आय में मधुमक्खी पालन के योगदान को रेखांकित करना आदि शामिल है। हाल फिलहाल, यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि पिछले वर्ष इस दिवस की थीम-प्रकृति से प्रेरित मधुमक्खियां, हम सभी का पोषण करती हैं रखी गई थी, जबकि इस वर्ष 2026 की थीम-लोगों और पृथ्वी के लिए मधुमक्खियों के साथ मिलकर कार्य करें निर्धारित की गई है।

बहरहाल,यदि हम यहां पर इस दिवस के इतिहास की बात करें, तो इसकी शुरुआत का प्रस्ताव सर्वप्रथम यूरोपीय देश स्लोवेनिया ने रखा था। गौरतलब है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2017 में 20 मई को विश्व मधुमक्खी दिवस घोषित किया तथा पहली बार यह दिवस वर्ष 2018 में मनाया गया। 20 मई की तिथि इसलिए चुनी गई, क्योंकि इसी दिन आधुनिक मधुमक्खी पालन के अग्रदूत एंटोन जान्सा का जन्म हुआ था।

मधुमक्खियों के महत्व की यदि हम बात करें तो ये नीले ग्रह (पृथ्वी) के पारिस्थितिक संतुलन की प्रमुख आधारशिला मानी जाती हैं। एक उपलब्ध जानकारी के अनुसार लगभग 75 प्रतिशत खाद्य फसलें किसी न किसी रूप में परागणकर्ताओं पर निर्भर हैं, जबकि दुनिया के लगभग 90 प्रतिशत जंगली पुष्पीय पौधों के प्रजनन में परागण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। फल, सब्जियां, तिलहन, मेवे तथा अनेक औषधीय पौधों का उत्पादन मधुमक्खियों के कारण ही संभव हो पाता है। ये जैव-विविधता को बनाए रखने में सहायता करती हैं तथा कृषि उत्पादन और किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायक होती हैं। यदि मधुमक्खियां न रहें, तो खाद्य-श्रृंखला और संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र गंभीर रूप से प्रभावित हो सकता है।

पाठकों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि एक मधुमक्खी अपने पूरे जीवन(जीवनकाल में) में लगभग एक चम्मच का बारहवां हिस्सा ही शहद बना पाती है और एक किलोग्राम शहद तैयार करने के लिए मधुमक्खियों को लाखों फूलों से बहुत मेहनत से रस एकत्र करना पड़ता है।इसके अलावा, मधुमक्खियां पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र और सूर्य की दिशा के आधार पर अपना रास्ता पहचान सकती हैं। उनका वैगल डांस एक विशेष संचार प्रणाली है, जिसके माध्यम से वे अन्य मधुमक्खियों को भोजन की दिशा और दूरी तक की जानकारी देती हैं। शहद हजारों वर्षों तक भी खराब नहीं होता है; यहां तक कि मिस्र के पिरामिडों में मिला शहद भी खाने योग्य पाया गया था। मधुमक्खी दिखने में भले ही एक छोटा सा जीव/कीट है लेकिन आज मधुमक्खी पालन ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और अतिरिक्त आय का महत्वपूर्ण स्रोत बनता जा रहा है।पृथ्वी पर लगातार बढ़ती आबादी, औद्योगिकीकरण, शहरीकरण और तीव्र विकास गतिविधियों के कारण ग्रीनहाउस गैसों का दबाव निरंतर बढ़ रहा है। कहना गलत नहीं होगा कि आज नीला ग्रह कही जाने वाली पृथ्वी पर मानवीय गतिविधियों के कारण जलवायु में व्यापक परिवर्तन हो रहे हैं। इन परिवर्तनों का प्रभाव तापमान, मौसम-चक्र, हिमखंडों, महासागरों और प्राकृतिक तंत्रों पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। इसका असर मानव जीवन के साथ-साथ वनस्पतियों और कीट प्रजातियों पर भी पड़ रहा है, विशेष रूप से मधुमक्खियों पर। आज मधुमक्खियों की संख्या निरंतर घटती जा रही है और इसका खुलासा हाल ही में जर्मनी के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए शोधों में भी हुआ है। कुछ शोधों और अध्ययनों में यह अनुमान लगाया गया है कि 1970 के दशक के बाद से कीट बायोमास, विशेषकर मधुमक्खियों की संख्या, लगभग आधी रह गई है। जूलियस मैक्सिमिलियन्स यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए एक अध्ययन में जर्मनी के 179 क्षेत्रों में भूमि उपयोग और बढ़ते तापमान के संयुक्त प्रभावों का विश्लेषण किया गया। इस अध्ययन के निष्कर्ष रॉयल सोसाइटी ऑफ बायोलॉजी की पत्रिका बायोलॉजिकल साइंसेज में प्रकाशित हुए। अध्ययन में सामने आया कि मधुमक्खियां केवल दिन के उच्च तापमान से ही नहीं, बल्कि औसत से अधिक गर्म रातों से भी प्रभावित होती हैं। जानकारी के अनुसार रात के औसत तापमान में वृद्धि दिन के तापमान की तुलना में अधिक तेज़ी से हो रही है, जिससे कीटों पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है।इतना ही नहीं, आज मधुमक्खियों को खुले क्षेत्रों में आवास बनाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, वे बढ़ते तापमान से निपटने में काफी सक्षम होती हैं, फिर भी कृषि भूमि, प्राकृतिक आवासों के विनाश, वायु प्रदूषण, खेती में अंधाधुंध कीटनाशकों और रसायनों के प्रयोग तथा खेती के बदलते तौर-तरीकों के कारण इनके अस्तित्व पर संकट गहराता जा रहा है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि जिन क्षेत्रों में कृषि भूमि प्राकृतिक आवासों के निकट थी, वहां मधुमक्खियों की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर थी। इससे स्पष्ट होता है कि मधुमक्खियों को पनपने के लिए मिश्रित प्राकृतिक वातावरण और पर्याप्त संसाधनों की आवश्यकता होती है।

वास्तव में, धरती पर किसी भी अन्य कीट ने उतनी लोकप्रियता और मानव सभ्यता पर उतना प्रभाव नहीं डाला, जितना मधुमक्खियों ने। आधुनिक कृषि और मानव संस्कृति को इस अत्यंत छोटे इन मेहनती कीटों का अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। मधुमक्खियां उस जैव-विविधता का हिस्सा हैं, जिस पर मानव अस्तित्व निर्भर करता है। जैव-विविधता और पारिस्थितिक तंत्र सेवाओं पर अंतर-सरकारी विज्ञान-नीति मंच की वर्ष 2019 की ऐतिहासिक रिपोर्ट में भी कहा गया कि दुनिया के सभी प्रमुख धर्मों में मधुमक्खियों का उल्लेख मानव समाज के लिए उनके महत्व को दर्शाता है। आज खाद्य-श्रृंखला का एक अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा लगातार समाप्त होता जा रहा है, जो बेहद चिंताजनक है। मधुमक्खियों में गिरावट को विशेषज्ञ कॉलोनी पतन विकार के नाम से जानते हैं। उल्लेखनीय है कि मधुमक्खियां केवल अपनी कॉलोनियों तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि वे अनेक जीवों और पेड़-पौधों के जीवन चक्र को भी प्रभावित करती हैं। उदाहरण के लिए, विलो और चिनार जैसे कई पेड़ अपने प्रजनन के लिए मधुमक्खियों जैसे परागणकर्ताओं पर निर्भर करते हैं।

जैसा कि ऊपर भी इस आलेख में चर्चा कर चुका हूं कि आज बढ़ती आबादी, औद्योगिकीकरण, शहरीकरण और मानवीय गतिविधियों के कारण मधुमक्खियों के प्राकृतिक आवास तेजी से नष्ट हो रहे हैं। खेती के सघन तरीके, रासायनिक कीटनाशकों का अत्यधिक प्रयोग, मौसम चक्र में बदलाव तथा बढ़ता वायु प्रदूषण इस लाभदायक कीट को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहे हैं। इसी कारण संयुक्त राष्ट्र ने सरकारों, संगठनों, नागरिक समाज और आम लोगों को परागणकर्ताओं और उनके आवासों की रक्षा के लिए प्रेरित करने हेतु विश्व मधुमक्खी दिवस घोषित किया है।

मधुमक्खियों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका परागण में सहायता करना है। ये फूलों के बीच पराग पहुंचाकर पौधों में प्रजनन की प्रक्रिया को बढ़ावा देती हैं, जिससे फल, बीज और नए पौधों का उत्पादन संभव होता है। इसके अतिरिक्त ये शहद का उत्पादन करती हैं, जो मानव के लिए एक मूल्यवान खाद्य पदार्थ और औषधीय स्रोत है। कहना गलत नहीं होगा कि परागण की यह प्रक्रिया खाद्य-सुरक्षा, पोषण सुरक्षा और पृथ्वी के पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है। मधुमक्खियां वन्यजीवों के लिए भोजन और आश्रय उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने मानव संस्कृति को भी अनेक रूपों में प्रभावित किया है जैसे कला, संगीत, त्योहार और लोक परंपराएं। यहां तक कि इतिहास में उनका उपयोग युद्ध के उपकरण के रूप में भी किया गया है। मधुमक्खी पालन ग्रामीण आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्रोत है और किसानों की अतिरिक्त आय बढ़ाने में सहायक है।

(सुनील कुमार महला, फ्रीलांस राइटर, कॉलमिस्ट व युवा साहित्यकार, पिथौरागढ़, उत्तराखंड)।

लोकतंत्र में नागरिक कॉकरोच, न्यायपालिका ने पहचाना?

सनत जैन

-असहमति और दमनकारी कानूनों पर उठते सवाल

देश में पिछले कुछ वर्षों में आंदोलनों, विरोध प्रदर्शनों और असहमति की आवाज़ों को शासन और प्रशासन द्वारा कठोरता के साथ दबाया जा रहा है। आंदोलनकारियों और प्रदर्शनकारियों पर पुलिस के लाठी डंडे, अश्रु गैस के बाद अब कठोर कानूनी धाराओं का उपयोग शुरू कर दिया गया है। पिछले कुछ वर्षों में एनएसए जैसी राष्ट्र विरोधी कार्यों वाली धाराओं का उपयोग प्रदर्शनकारियों, पत्रकारों, छात्रों, किसानों पर हो रहा है। लोकतंत्र की सेहत नागरिकों के मौलिक अधिकारों एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, मानव अधिकारों का कारण बनती है। इस पर गंभीर बहस खड़ी हो गई है। छात्र, मजदूर, किसान, पत्रकार, राजनेता और सामाजिक कार्यकर्ता कोई भी जांच एजेंसियों के दमन और कठोर कानूनों की कार्रवाई से अछूता नहीं रहा। सरकारें चाहे केंद्र की हों या राज्यों की, सरकार के विरोध को "कानून-व्यवस्था" के स्थान पर अब राष्ट्र का विरोध मान लिया गया है। सरकार के निर्देश पर लंबे समय तक जेल में रखने की नीति जाँच एजेंसियाँ अपना रही हैं। इससे समाज के सभी वर्गों में असंतोष और सरकारों के प्रति गुस्सा बढ़ रहा है। अब यह गुस्सा और अविश्वास कहीं ना कहीं न्यायपालिका पर भी दिखने लगा है। अदालतें सरकार के दबाव में जमानत जैसे मामलों में कई महीने और सालों तक लटकाकर रख रही हैं। सारी विधि व्यवस्था को न्यायपालिका स्वयं नजर अंदाज कर रही है। ऐसी स्थिति में अब न्यायपालिका के ऊपर आम नागरिकों को वह विश्वास नहीं रहा, जो पहले होता था। लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं चलता है। नागरिकों को अपनी बात कहने, सरकार से सवाल पूछने और शांतिपूर्ण विरोध करने के अधिकार से लोकतंत्र मजबूत होता है। सरकारें नागरिकों के प्रति जवाबदेह होती हैं। संविधान ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिकों के विरोध के अधिकार को मौलिक अधिकारों के रूप में मान्यता दी है। पिछले कुछ वर्षों से आंदोलनकारियों पर गंभीर धाराएं लगाकर साजिशन महीनों या वर्षों तक जेल में रखा जा रहा है। बाद में पर्याप्त सबूत न मिलने पर वर्षों बाद आरोपी अदालत से बरी हो जाते हैं। तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है, क्या कानून का उपयोग न्याय के लिए हो रहा है? सरकार से असहमति, आंदोलन, प्रदर्शन और विरोध को नियंत्रित करने के लिए कानूनों का दुरूपयोग किया जा रहा है।

हाल के वर्षों में कई ऐसे मामले सामने आए हैं। लंबी हिरासत के बाद अदालतों में आरोपियों पर जो आरोप लगे थे, उससे संबंधित कोई तथ्य ही मुकदमे में नहीं था। अदालत में जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल भी उठे। उसके बाद भी इन मामलों में कोई रोक नहीं लगी। ईडी, सीबीआई, पुलिस इत्यादि जांच एजेंसियां गंभीर धाराओं में आरोपियों को बंद करके जाँच एवं पूछताछ के नाम पर कई महीनो तक जेल में बंद रखती हैं। आरोपियों का ट्रायल भी शुरू नहीं करती हैं। जांच भी कई वर्षों तक पूर्ण नहीं होती है। इससे युवाओं, छात्रों और श्रमिक संगठनों एवं राजनीतिक दलों के बीच यह भावना मजबूत हुई है, कानूनों का दुरूपयोग सत्ता के लिये किया जा रहा है। न्याय मिलने में देरी भी एक तरह की सजा है। "तारीख पर तारीख" की व्यवस्था केवल अदालतों की प्रक्रिया नहीं रह गई, बल्कि यह आम नागरिक की पीड़ा, प्रताणना और निराशा का प्रतीक बन चुकी है। पेपर लीक जैसे मामलों ने युवाओं के गुस्से को बढ़ाया है। पहले भी सुप्रीम कोर्ट ने नीट एवं अन्य परीक्षाओं में जब गड़बड़ी हुई थी, तब ऐसे मामले पर विचार करने से मना कर दिया। जब परीक्षाओं की निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं। आंदोलन करने वाले छात्रों पर पुलिस कठोर कार्रवाई करती है। न्यायपालिका से जब न्याय नहीं मिलता है, तब व्यवस्था के प्रति आम नागरिकों का विरोध बढ़ता है। लोकतंत्र में सरकार की जिम्मेदारी केवल कानून लागू करना नहीं, बल्कि जनता का विश्वास, कानून व्यवस्था पर बनाए रखना भी है। नागरिकों के अधिकार और भविष्य को ध्यान में रखते हुए नीतियां बनाना उनका पालन कराना, बिना किसी भेदभाव के और संवेदनशीलता के साथ नागरिकों के साथ व्यवहार करना होता है। इस पूरे परिदृश्य में न्यायपालिका की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है।

संविधान ने अदालतों को नागरिको के मौलिक एवं कानूनी अधिकारों का संरक्षक बनाया है। जब किसी व्यक्ति की स्वतंत्रता लंबे समय तक दांव पर लगी हो। विचाराधीन कैदी के रूप में जेल में बंद हो, झूठे आरोप लगाकर उसे प्रताड़ित किया जा रहा हो। तब न्यायपालिका से त्वरित, निष्पक्ष और संवेदनशील हस्तक्षेप की अपेक्षा होती है। यदि जांच एजेंसियों की कार्रवाई में त्रुटियां हैं, जांच एजेंसियों ने अपने अधिकारों का उल्लंघन किया हैं। किसी दबाव में साजिश के साथ जाँच एजेंसी ने अधिकारों का दुरूपयोग किया है। ऐसी स्थिति में न्यायपालिका की जिम्मेदारी है, वह त्वरित कार्यवाही कर न्याय करे। यह सच है, कानून-व्यवस्था बनाए रखना सरकार का दायित्व है। हर आंदोलन शांतिपूर्ण नहीं होता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में शक्ति और अधिकार के साथ जवाबदेही भी महत्वपूर्ण है। इसलिए आवश्यक है, जांच एजेंसियां जब कठोर कानूनों का उपयोग करें ऐसी स्थिति में न्यायपालिका को स्वमेव स्वतंत्र समीक्षा करनी चाहिए। आरोप के तहत जेल में बंद नागरिकों को भी जीने का अधिकार होता है। जेल में इन्हें विचाराधीन कैदी के रूप में रखा जाता है। गलत कार्यवाही से आरोपी के सम्पूर्ण परिवार को खामियाजा भोगना पड़ता है। युवाओं का तो जीवन शुरू होने के पहिले बर्बाद कर दिया जाता है। सुप्रीम कोर्ट के सबसे उच्च आसन पर बैठे जज द्वारा नागरिकों को कॉकरोच कहकर संबोधित किया जाए। ऐसी स्थिति में संविधान, लोकतंत्र, कानून का राज सब बेमानी है।

समुद्र की बेचैनी, बाजार की गर्मी और भारत की ऊर्जा चुनौती

विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला'

पश्चिम एशिया संकट,तेल-गैस की बढ़ती कीमतें, उर्वरक दबाव और भारत की रणनीतिक तैयारी पर केंद्र सरकार की बड़ी तस्वीर

विश्व की राजनीति जब युद्ध,तनाव और सामरिक प्रतिस्पर्धा के रास्ते समुद्रों तक पहुँच जाती है,तब उसका असर केवल सीमाओं और कूटनीतिक मंचों तक सीमित नहीं रहता।उसका कोप आम आदमी की रसोई, अन्नदाता किसान के खेत,उद्योगों जगत की मशीनों और देश की अर्थव्यवस्था तक महसूस होता है।आज पूरी दुनिया कुछ ऐसी ही स्थिति का सामना कर रही है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, समुद्री मार्गों पर मंडराते खतरे और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में जारी अस्थिरता ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को नई चिंता में डाल दिया है।ऐसे में पी आई बी ,भारत सरकार द्वारा आयोजित आज की अंतर-मंत्रालयी प्रेस कॉन्फ्रेंस इसी बढ़ते संकट और उससे निपटने की राष्ट्रीय तैयारी पर केंद्रित रही।पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय,उर्वरक मंत्रालय,नौवहन,वाणिज्य तथा वित्तीय एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि भारत की ऊर्जा आपूर्ति वर्तमान में सुरक्षित है,लेकिन वैश्विक परिस्थितियों पर लगातार नजर रखी जा रही है।सरकार ने यह भी स्वीकार किया कि पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव केवल तेल संकट नहीं,बल्कि समुद्री व्यापार,गैस आपूर्ति,उर्वरक उत्पादन, महँगाई और आर्थिक स्थिरता से जुड़ा व्यापक विषय बन चुका है।भारत आज विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।देश की ऊर्जा आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। यही कारण है कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता देश बन चुका है ,लेकिन विडंबना यह है कि अपनी कुल आवश्यकता का लगभग 85 प्रतिशत कच्चा तेल भारत आयात करता है।यही नहीं, घरेलू एलपीजी की लगभग 60 प्रतिशत जरूरत भी आयात के माध्यम से पूरी होती है।इन आयातों का बड़ा हिस्सा समुद्री मार्गों से होकर भारत पहुँचता है।इसलिए जैसे ही पश्चिम एशिया में संघर्ष या तनाव बढ़ता है,उसका सीधा असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर दिखाई देने लगता है।भारत ने समय रहते ऊर्जा सुरक्षा के लिए व्यापक रणनीतिक कदम उठाए हैं।देश के पास वर्तमान में लगभग 60 दिनों का रणनीतिक कच्चा तेल भंडार उपलब्ध है।इसके अतिरिक्त लगभग 45 दिनों का एलपीजी स्टॉक तथा पर्याप्त नेचुरल गैस भंडारण भी मौजूद है।सरकार ने स्पष्ट किया कि देश में पेट्रोल,डीज़ल,एलपीजी और सीएनजी की कोई कमी नहीं है तथा आपूर्ति श्रृंखला सामान्य रूप से कार्य कर रही है।हालाँकि सरकार की इस आश्वस्ति के बावजूद वैश्विक बाजार की अस्थिरता का असर भारत में दिखाई देने लगा है।अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय क्रूड बास्केट की कीमत 113 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुँच गई है। कुछ माह पहले तक यही कीमत 65 से 70 डॉलर प्रति बैरल के बीच बनी हुई थी।तेल की कीमतों में इस तेज वृद्धि ने सरकार और आम उपभोक्ता दोनों की चिंता बढ़ा दी है।कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का सबसे सीधा असर पेट्रोल और डीज़ल पर दिखाई देता है।हाल के दिनों में देश में पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों में लगभग 3 रुपये प्रति लीटर तक की वृद्धि दर्ज की गई। दिल्ली में पेट्रोल लगभग 97 रुपये प्रति लीटर तथा डीज़ल 90 रुपये प्रति लीटर के आसपास पहुँच गया। यह वृद्धि केवल वाहन चालकों तक सीमित नहीं रहती।परिवहन लागत बढ़ने से खाद्यान्न,फल-सब्जियों, निर्माण सामग्री और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतें भी प्रभावित होती हैं।सबसे अधिक चिंता समुद्री मार्गों को लेकर व्यक्त की गई।पश्चिम एशिया का स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ विश्व ऊर्जा व्यापार की धुरी माना जाता है।दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत कच्चे तेल और बड़े पैमाने पर एलएनजी का व्यापार इसी समुद्री मार्ग से होता है।भारत के लिए यह मार्ग और भी महत्वपूर्ण है,क्योंकि देश के तेल और गैस आयात का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से आता है।वर्तमान तनाव को देखते हुए भारत ने अपने आयात स्रोतों और समुद्री मार्गों में विविधता लाने की रणनीति अपनाई है।आज भारत लगभग 40 देशों से कच्चा तेल आयात कर रहा है, जबकि वर्ष 2006-07 में यह संख्या केवल 27 थी।रूस,अमेरिका,कनाडा,ब्राजील, अफ्रीकी देशों और अन्य वैकल्पिक बाजारों से आयात बढ़ाकर भारत ने पश्चिम एशिया पर निर्भरता कम करने का प्रयास किया है।सरकार के अनुसार अब लगभग 70 प्रतिशत तेल आयात वैकल्पिक मार्गों और नए स्रोतों से किया जा रहा है।यही कारण है कि संकट की स्थिति के बावजूद भारत में ऊर्जा आपूर्ति बाधित नहीं हुई।भारतीय नौसेना और समुद्री सुरक्षा एजेंसियाँ खाड़ी क्षेत्र में भारतीय जहाजों और ऊर्जा आपूर्ति मार्गों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।इस संकट का प्रभाव केवल पेट्रोलियम तक सीमित नहीं है।इसका बड़ा असर उर्वरक क्षेत्र पर भी दिखाई दे रहा है।भारत का उर्वरक उद्योग मुख्यतः नेचुरल गैस आधारित है।यूरिया उत्पादन में गैस प्रमुख कच्चा माल होती है। जैसे-जैसे अंतरराष्ट्रीय गैस कीमतें बढ़ती हैं,वैसे-वैसे उर्वरक उत्पादन की लागत भी बढ़ जाती है।खरीफ सीजन नजदीक होने के कारण यह चिंता और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।उर्वरक मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि किसानों को खाद की कमी नहीं होने दी जाएगी।इसके लिए सरकार ने उर्वरक संयंत्रों को प्राथमिकता के आधार पर गैस आपूर्ति सुनिश्चित की है।सरकारी आंकड़ों के अनुसार घरेलू पीएनजी और सीएनजी उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत गैस आपूर्ति दी जा रही है,जबकि उद्योगों को लगभग 80 प्रतिशत और उर्वरक क्षेत्र को लगभग 70 प्रतिशत गैस उपलब्ध कराई जा रही है।यह व्यवस्था इसलिए लागू की गई है ताकि घरेलू रसोई,सार्वजनिक परिवहन और कृषि क्षेत्र पर संकट का न्यूनतम असर पड़े। सरकार ने यह भी संकेत दिए कि आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त उर्वरक आयात की व्यवस्था की जा सकती है । सरकार ने जमाखोरी और कृत्रिम संकट फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिए गए हैं कि एलपीजी, पेट्रोल और डीज़ल की उपलब्धता पर निगरानी रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या अफवाहों पर तुरंत कार्रवाई हो।

ऊर्जा संकट का असर केवल घरेलू अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहता।इसका सीधा प्रभाव विदेशी मुद्रा भंडार और चालू खाता घाटे पर भी पड़ता है।भारत जितना अधिक महंगा तेल खरीदेगा,उतना अधिक विदेशी मुद्रा व्यय होगी। यही कारण है कि सरकार ने ऊर्जा आयात बिल को नियंत्रित करने के लिए कई समानांतर रणनीतियों पर कार्य शुरू किया है।भारत अब केवल आयात आधारित ऊर्जा मॉडल पर निर्भर नहीं रह सकता। देश को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना होगा। इसी सोच के तहत एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम,ग्रीन हाइड्रोजन मिशन, बायो फ्यूल,सौर ऊर्जा और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को प्राथमिकता दी जा रही है। भारत ने एथेनॉल मिश्रण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। कुछ वर्ष पहले जहाँ पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण लगभग 1-2 प्रतिशत था, वहीं अब यह बढ़कर लगभग 20 प्रतिशत के आसपास पहुँचने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इससे न केवल तेल आयात पर निर्भरता घटेगी,बल्कि किसानों की आय बढ़ाने में भी मदद मिलेगी।इसी प्रकार सरकार ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के माध्यम से भारत को भविष्य की स्वच्छ ऊर्जा शक्ति बनाने का प्रयास कर रही है।यदि भारत ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में सफल होता है तो भविष्य में वैश्विक तेल संकटों का असर काफी हद तक कम किया जा सकेगा।लेकिन वर्तमान संकट यह भी बताता है कि ऊर्जा केवल आर्थिक विषय नहीं है।यह राष्ट्रीय सुरक्षा,खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता से जुड़ा विषय बन चुका है। यदि तेल महंगा होता है तो ट्रांसपोर्ट महंगा होता है।ट्रांसपोर्ट महंगा होता है तो खाद्यान्न महंगे होते हैं।गैस महँगी होती है तो उर्वरक महंगे होते हैं। उर्वरक महंगे होते हैं तो खेती की लागत बढ़ती है।जब खेती की लागत बढ़ती है,तब अंततः उसका असर देश की आम जनता पर पड़ता है।यही कारण है कि आज की यह प्रेस वार्त्ता केवल एक सरकारी ब्रीफिंग नहीं थी,बल्कि यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा,आर्थिक स्थिरता और भविष्य की रणनीति का व्यापक संकेत भी थी।

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए बेहद खास पल लेकर आया है। भाई और माता से सहयोग मिलेगा, आपका पराक्रम बढ़ेगा। सहकर्मियों के सहयोग से कार्य को निर्धारित समय में संपन्न करेंगे। खान पान का उचित ध्यान रखें। इस राशि की महिलाओं को आज शॉपिंग में अच्छा डिस्काउंट मिल सकता है। आज आप अपने घर की साफ सफाई में व्यस्त रहेंगे। जमीन जायदाद सम्बन्धी मामले आपके पक्ष में रहेंगे। छात्रों के लिये आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

वृष राशि: आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। घर की सफाई अथवा नवीनीकरण के कार्यों में व्यस्त रहेंगे। आप अपनी कार्यक्षमता को दूसरों के आगे साबित कर पाने में सफल होंगे। पिता व गुरुजनों से सम्मान प्राप्त होगा। व्यापारिक वर्ग की निराशा आशा में परिवर्तित होगी, नये-नये प्रोजेक्ट मिलेंगे। आज विदेश में रह रहे आपके दोस्त आपको वहां आने का निमंत्रण दे सकते हैं या फिर काम के सिलसिले में भी आपको वहां बुलाया जा सकता है।

मिथुन राशि: आज आपका दिन एक नई उमंग लेकर आएगा। आपके लिए आय के नए द्वार खुलने की संभावना है। छात्रों को शिक्षा में आश्चर्यजनक परिणाम मिल सकते हैं। आपके घर में सुख शांति का माहौल बनेगा। आपकी आध्यात्मिक और धार्मिक मामलों में रुचि बढ़ेगी। किसी मित्र की सहायता से आपके बिगड़े हुए कार्य बनेंगे और पिछले किये गए प्रयासों में सफलता मिलेगी।

कर्क राशि: आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। सार्वजनिक एवं प्रोफेशनल कार्यों में अनुकूल संयोग बनेंगे। किसी समस्या को दूर करने के लिए परिवार के सदस्यों के साथ बैठकर विचार विमर्श करेंगे। हर काम समय पर पूर्ण होने से आनंद का अनुभव होगा। धन की कमी दूर होने से आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। जो मल्टीनेशनल कंपनी में जुड़े हैं ऐसे जातकों के लिए आज का दिन प्रगति कारक दिखाई दे रहा है।

सिंह राशि: आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज आपका मन कुछ उलझन में रहेगा, लेकिन जीवनसाथी के साथ बातों को शेयर करने से सब ठीक हो जायेगा। आज जल्दबाजी में महत्वपूर्ण निर्णय ना लें, इसके बारे में अच्छी तरह से सोच लें। दोस्ती के रिश्तों में और प्रगाढ़ता आएगी। आज आप आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे।

कन्या राशि: आज का दिन आपके लिए मिला जुला अनुभव देने वाला रहेगा। सकारात्मक सोच व संतुलित दृष्टिकोण से आप असंभव कार्यों को भी संभव कर पाएंगे। विद्यार्थियों को मनचाही सफलता पाने के लिए थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है, सफलता के योग भी बने हुये हैं। कारोबार और करियर सम्बन्धी समस्याओं का निवारण हो जायेगा।

तुला राशि: आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपके पारिवारिक रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। ऑफिस में कुछ कार्यों की जिम्मेदारी आपको दी जायेगी, जिसे पूरा करने में आप सफल होंगे। खान पान की तरफ भी आपको ध्यान देने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में आप जितनी मेहनत करेंगे।

वृश्चिक राशि: आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। संतान पक्ष से मन को संतोष मिलेगा। जो लोग नया बिजनेस शुरू करना चाहते हैं या नौकरी में नए अवसर खोज रहे हैं, उनके लिए अनुकूल समय है। आज किसी काम को लेकर आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज ऑफिस में आपकी पर्सनालिटी की तारीफ होगी। आज आपको जो भी बेहतर परिणाम हासिल होंगे।

धनु राशि: आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपके सामने जो भी कठिन मामले हैं, उन पर बातचीत कर सकते हैं। आज आप जितनी मेहनत करेंगे, आने वाले दिनों में आपको उतना ही फायदा होगा। आपका पूरा ध्यान अपने महत्वपूर्ण कामों पर रहेगा। कई तरह की जिम्मेदारी वाले काम आपके सामने रहेंगे।

मकर राशि: आज आपका दिन बेहतरीन है। आज सोचे हुए काम करने के लिए और अपनी योजनाओं को पूरा करने के लिए दिन अच्छा रहेगा। किसी रुके हुये काम को पूरा करने में किस्मत का साथ मिलेगा। आज आपको अपने गुण और काम की वजह से सम्मानित किया जायेगा। समाज में प्रतिष्ठा बढ़ सकती है। आज जो जिम्मेदारी मिलेगी।

कुंभ राशि: आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपकी कम्युनिकेशन की क्षमता दूसरों को प्रभावित करेगी, जिससे आपको फायदा होगा। नतीजों की चिंता किए बिना मेहनत करेंगे तो कामयाबी अवश्य मिलेगी। नए लोगों से जान पहचान बढ़ेगी। बिजनेस में अचानक फायदा होगा और अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आज आप ऑनलाइन कुछ ऑर्डर कर सकते हैं। वेब डिजाइनर्स के लिये आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

मीन राशि: आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपका ध्यान केवल और केवल अपने काम के प्रति रहेगा, इसके लिए आप कठोर परिश्रम भी करने के लिए तैयार रहेंगे। आप ज्यादा लोगों से जुड़े रहेंगे, लोग भी आपकी सहायता करने के लिये तत्पर रहेंगे। सरकार अथवा उच्च अधिकारियों से आपको लाभ प्राप्त हो सकता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

कोच फ्लेमिंग ने सीएसके की हार के लिए कप्तान रुतुराज को जिम्मेदार बताया

एजेंसी, चेन्नई

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ लीग मैच में मिली हार पर निराशा जतायी है। इस हार से सीएसके के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। सीएसके को अब केवल एक मैच खेलना है। फ्लेमिंग ने हार के लिए कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के खराब प्रदर्शन को जिम्मेदार बताया है और कहा है कि वह उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये। बल्लेबाजी के दौरान वह रन नहीं बना पाये। उनकी कप्तानी भी अच्छी नहीं रही। सनराइजर्स के खिलाफ इस मैच में गायकवाड़ ने 21 गेंदों में केवल 15 रन बनाए। हैरानी की बात ये रही कि वह पारी शुरु करने के बाद भी एक भी चौका नहीं लगा पाये। किसी भी सलाकी बल्लेबाज से ऐसे प्रदर्शन की अपेक्षा नहीं की जाती। वहीं उनके जोड़ीदार संजू सैमसन ने 13 गेंदों में तेजी से 27 रन बनाये। इस पूरे सत्र में गायकवाड़ का प्रदर्शन लगभग ऐसा ही रहा है, जिसमें निरंतरता और आक्रामक रवैये की कमी साफ दिख रही है। मैच के बाद फ्लेमिंग से जब रुतुराज ने कहा कि कप्तान से इस प्रकार के खेल की उम्मीद नहीं की जाती। फ्लेमिंग ने कहा, मैं पावरप्ले से शुरुआत करूंगा। असल में, विकेट लेना सबसे जरूरी है। हां, मुझे लगता है कि रुतुराज और बेहतर कर सकते हैं। उन्होंने पहले भी इससे ज्यादा अच्छा प्रदर्शन किया है। वह शीर्ष क्रम पर एक बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने साथ ही जोड़ा, उन्होंने इस सत्र में अपने करियर में जितनी तेजी से रन बनाए हैं, उतने रन इस सत्र में नहीं बनाए हैं। इस पर उन्हें ध्यान देना होगा। वहीं कोच ने माना है कि इस पिच पर बल्लेबाजी कठिन थी। फ्लेमिंग ने यह भी माना है कि 180 रनों का स्कोर ठीक था, क्योंकि पिच से गेंदबाजों को सहायता मिल रही थी। उन्होंने कहा, 180 का स्कोर बनाना बहुत कठिन था। स्पिन गेंदबाजी को लेकर उन्होंने कहा, मैंने उसे समझने में ज्यादा समय नहीं लगाया। उसमें ज्यादा टर्न नहीं था। आज बॉल धीमी थी। उन्होंने सनराइजर्स के आक्रमण की तुलना करते हुए कहा कि उसके तेज गेंदबाजों ने विकेट पर जोर से कटर फेंके, जिससे हमारे बल्लेबाजों अपने विकेट गवा बैठे जबकि हमारे पास अकील होसेन, वीर और नूर अहमद जैसे स्पिनर ही थी। कोच के इस बयान से साफ है कि टीम में सबकुछ ठीक नहीं है।

पीवी सिंधु बीडब्ल्यूएफ के 15-अंक के नये प्रारुप को लेकर खुश नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु अगले साल से लागू होने वाले विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) बैडमिंटन के नए 15-अंक के प्रारुप को लेकर उत्साहित नहीं हैं। सिंधु का मानना है कि ये थकानभरा और चुनौतीपूर्ण साबित होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु के अनुसार ये नया प्रारुप आक्रामक खिलाड़ियों के लिए ही लाभदायक रहेगा पर इससे खेल में शारीरिक और मानसिक थकान बढ़ जाएगी। गौरतलब है कि बीडब्ल्यूएफ ने हाल ही में 15 अंक वाले तीन गेम की स्कोरिंग प्रणाली को मंजूरी दी है, इसे 4 जनवरी 2027 से लागू किया जाना है। इस घोषणा के बाद से ही खिलाड़ियों के ने इस नए प्रारूप को लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं दी हैं। सिंधु हाल ही में बीडब्ल्यूएफ 'एथलीट्स आयोग' की अध्यक्ष बनी हैं। उन्होंने पहले भी बताया है कि अधिकतर खिलाड़ी अब भी 21-अंक प्रणाली को बैडमिंटन के आकर्षण, लय और रणनीतिक गहराई के लिहाज से कही बेहतर मानते हैं। सिंधु ने ने नए स्कोरिंग प्रणाली पर विस्तार को लेकर कहा, "हां, मुझे लगता है कि यह आक्रामक खिलाड़ियों के लिए फायदेमंद है, लेकिन आपको शुरुआत से ही तेज होना होगा। आप शुरुआत में खुद को सेट नहीं कर सकते, तुरंत आक्रामक

और तेज रहना होगा।" उन्होंने कहा, "यह बहुत थकाऊ होगा और आपको हर समय सतर्क रहना पड़ेगा। यह मानसिक और शारीरिक रूप से बहुत थका देने वाला होगा क्योंकि आपको लगातार हर तरफ सक्रिय रहना होगा।" उनकी यह टिप्पणी इस बात पर जोर देती है कि खेल की गति और तीव्रता काफी बढ़ जाएगी, जिससे खिलाड़ियों पर लगातार दबाव बना रहेगा। हालांकि, सिंधु का मानना है कि नया प्रारूप अनुभवी खिलाड़ियों के लिए कुछ हद तक लाभदायक हो सकता है क्योंकि मैच छोटे हो जाएंगे। उन्होंने कहा, "यह अधिक उम्र वाले खिलाड़ियों के लिए यह मददगार हो सकता है क्योंकि वे अपना करियर 2-3 साल और बढ़ाना चाहेंगे। मैच छोटे होने से फायदा मिलेगा।" सिंधु ने कहा कि 21-अंक प्रणाली में आपके पास वापसी करने के लिए 5-6 अंक का समय होता है, लेकिन 15 अंक प्रणाली में वह मौका नहीं मिलेगा।

महिला प्रीमियर लीग में टीम खरीदना चाहती है पंजाब किंग्स फ्रैंचाइजी

एजेंसी, नई दिल्ली

आईपीएल टीम पंजाब किंग्स के सह-मालिक मोहित बर्मन अब महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में भी एक टीम खरीदना चाहते हैं। बर्मन का मानना है कि महिला क्रिकेट का भविष्य अत्यंत उज्ज्वल है और उनका समूह इसमें निवेश करना चाहता है। बर्मन की यह उम्मीद अभी शायद ही पूरी हो क्योंकि भारतीय बोर्ड अभी डब्ल्यूपीएल में टीमों की संख्या नहीं बढ़ा रहा है। पंजाब किंग्स में 48 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाले बर्मन ने कहा कि महिला प्रीमियर लीग ने बहुत ही कम समय में महिला क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में अपनी पहचान बनायी है। उन्होंने माना है कि शुरुआत में महिला क्रिकेट में निवेश नहीं किया गया था पर अब वह इस लीग में हुए विकास से प्रभावित हैं। उनके अनुसार, महिला क्रिकेट की प्रगति असाधारण रही है और यह सिर्फ एक खेल नहीं बल्कि एक आंदोलन बन गया है। बर्मन ने कहा, व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि महिला क्रिकेट का भविष्य बेहद उज्ज्वल है और हम निश्चित रूप से एक महिला आईपीएल टीम खरीदना चाहेंगे।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पिछले साल पहली बार महिला एकदिवसीय विश्व कप जीता था जिसके बाद से ही महिला क्रिकेटरों को भी कई कंपनियों ने विज्ञापन दिये और ब्रांड एंबेसडर बनाया। अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप में भी भारतीय टीम को प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

सीएसके के खिलाफ जीत के बाद आरसीबी, गुजरात के बाद सनराइजर्स भी प्लेऑफ में पहुंची

एजेंसी, चेन्नई । सनराइजर्स हैदराबाद ने यहां हुए आईपीएल 2026 के मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को हराकर प्लेऑफ में जगह बना ली है। इस मैच में सनराइजर्स हैदराबाद की जीत के साथ ही अंक तालिका में काफी बदलाव आया है। आरसीबी की टीम 18 अंकों के साथ पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने में सफल रही है। वहीं गुजरात टाइटंस 16 अंकों के साथ क्वालीफाई कर लिया है और सनराइजर्स हैदराबाद भी 16 अंकों के साथ क्वालीफाई कर चुकी है। पंजाब किंग्स 13 अंकों के साथ चौथे स्थान पर है और राजस्थान रॉयल्स 12 अंकों के साथ पांचवें नंबर पर है। वहीं, सीएसके की टीम के भी 12 अंक हैं और वह छठवें स्थान पर बनी हुई है। दिल्ली कैपिटल्स के भी अब 12 अंक हैं और वह सातवें स्थान पर है। वहीं केकेआर 11 अंकों के साथ आठवें नंबर पर है। अंक तालिका में पहले ही मुंबई इंडियंस बाहर हो गयी है और वह आठ अंकों के साथ नवे स्थान पर है, वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स भी 8 अंकों के साथ ही कम रन रेट के कारण दसवें स्थान पर है। सीएसके के खिलाफ 47 रनों की पारी के साथ ही हेनरी क्लासेस कुल 555 रन बनाकर ऑरेंज कैप की रेस में नंबर ए पर पहुंच गये हैं। वहीं पर्पल कैप की रेस में अभी भी भुवनेश्वर कुमार शीर्ष पर बने हुए हैं।

रैना को अगले साल भी धोनी के आईपीएल खेलने की उम्मीदें

एजेंसी, चेन्नई

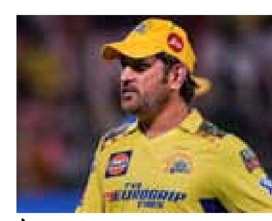

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पांच बार खिताब जिताने वाले महेन्द्र सिंह धोनी आईपीएल के 19 वें सत्र में आंखिरकार पहली बार 18 मई को चेपॉक स्टेडियम में नजर आये। धोनी का आना प्रशंसकों और और टीम के लिए एक भावुक पल रहा। धोनी इस सत्र में फिट नहीं होने से कारण अब तक बाहर थे। यह सीएसके का अपने घरेलू मैदान पर अंतिम मैच था, इसलिए ये भी कहा जाने लगा कि अब धोनी अगले सत्र में नहीं दिखेंगे। जिस प्रकार से धोनी ने टीम के अन्य खिलाड़ियों के साथ मैदान का चक्कर लगाकर अपने प्रशंसकों का अभिवादन किया। उससे भी इस बात को बल मिला कि उनकी आईपीएल से विदायी हो गयी है हालांकि सीएसके में उनके साथी रहे सुरेश रेना को ऐसा नहीं लगता। रैना के भरोसे की वजह ये है कि धोनी ने आधिकारिक तौर पर संन्यास की घोषणा नहीं की है। रैना अभी आईपीएल में कमेंट्री पैनल का हिस्सा हैं। उनकी और धोनी की एक साथ मौजूदगी ने सीएसके फैंस में जबरदस्त जोश भर दिया था।

इसी दौरान , रैना ने धोनी के रिटायरमेंट को लेकर किए गए अपने संवाद का खुलासा किया। उन्होंने बताया, मैंने उनसे कहा कि आईपीएल 2024 केवल एक मिस्ड कॉल था, जिसे मैं नहीं गिनता। आपको अगले साल फिर से वापस आना होगा। रैना के अनुसार, धोनी ने जवाब में कहा, मेरा शरीर अब थोड़ा कमजोर पड़ रहा है। इस पर रैना ने कहा, हम सब इसमें विश्वास नहीं रखते हैं।

बिजनेस

गोयल ने स्वदेशी व्यापार मेले की वेबसाइट लॉन्च की, कहा-एक जून से लागू होगा ओमान का एफटीए

कहा-स्वदेशी को बढ़ावा दें, आयात पर निर्भरता कम करने के लिए घरेलू उत्पादों का समर्थन करें

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत ने 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में अपनी यात्रा के तहत अगले पांच वर्षों में 2 ट्रिलियन डॉलर का निर्यात हासिल करने का लक्ष्य रखा है। गोयल ने बताया कि एक जून से ओमान का एफटीए लागू हो जाएगा। भारत मंडपम में 'कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स' (कैट) और भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय व्यापारिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। इस अवसर पर गोयल ने 'भारत व्यापार महोत्सव' के लिए एक वेबसाइट भी लॉन्च की। पीयूष गोयल ने कहा कि यह पहल भारत के व्यापार, एमएसएमई, महिला उद्यमियों और युवाओं को 'वोकल फॉर लोकल' से 'लोकल टू ग्लोबल' की दिशा में नई शक्ति देगी।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत मंडपम में 86 दिनों में शुरू होने वाला 'भारत व्यापार महोत्सव' स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने, आयात के विकल्प को मज़बूत करने और वैश्विक बाज़ारों में भारत की उपस्थिति का विस्तार करने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा। गोयल ने आगे कहा कि इस प्रयास में 140 करोड़ भारतीयों के एकजुट होने से "दुनिया की कोई भी ताकत" हमें एक विकसित भारत के लक्ष्य तक पहुंचने से नहीं रोक सकती। वाणिज्य मंत्री ने आगे कहा कि यह मेला एक हजार व्यवसायों को एक मंच पर लाएगा और भारतीय उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में मदद करने के लिए गुणवत्ता, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करेगा। उन्होंने कहा कि इससे लोग भारत में बने हुए सामान की अधिक जानकारी प्राप्त करेंगे... भारत में अधिक उद्योग और व्यापार बढ़े और भारत से निर्यात भी बढ़े। पीयूष गोयल ने इस अवसर पर सभी हितधारकों से 'भारतीय व्यापार महोत्सव' को सफल बनाने के लिए मिलकर काम करने का आग्रह किया। भारतीय व्यापार महोत्सव 12 अगस्त से 15 अगस्त तक भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। भारत व्यापार महोत्सव एक स्वदेशी मेला है, जिसका आयोजन भारत में बने सामानों और सेवाओं को प्रदर्शित करने के लिए किया जाएगा। इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइज़ेशन (आईटीपीओ) और कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के साथ आयोजित इस महोत्सव में परिवहन निकायों, लॉजिस्टिक्स फर्मों, स्वदेशी जागरण मंच और लघु उद्योग भारती का भी सहयोग मिलेगा।

भारतीय शेयर बाज़ार विभिन्न झटकों को झेलने में सक्षमः तुहिन कांत पांडेय

एजेंसी, भुवनेश्वर । भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने सोमवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट की वजह से वैश्विक वित्तीय बाजारों में उतार-चढ़ाव बढ़ा है, लेकिन भारतीय शेयर बाजार 'विभिन्न तरह के झटके झेल पाने' में सक्षम हैं। पूंजी बाजार नियामक सेबी के अध्यक्ष ने यहां आयोजित 'क्षेत्रीय निवेशक जागरूकता संगोष्ठी' के इतर संवाददाताओं से कहा कि दुनिया के किसी भी हिस्से में पैदा होने वाले संकट का असर अन्य अर्थव्यवस्थाओं पर भी पड़ता है। पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट से कच्चे तेल की आपूर्ति श्रृंखला और कीमतें प्रभावित हुई हैं, जिससे वैश्विक स्तर पर महंगाई का जोखिम बढ़ा है। तुहिन कांत पांडेय ने कहा कि मार्केट रेगुलेटर जल्द ही एआई-आधारित ट्रेडिंग के लिए गाइडलाइंस जारी करेगा। साथ ही उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फाइनेंशियल इकोसिस्टम के लिए अवसर और बढ़े हुए साइबर जोखिम, दोनों ही लेकर आता है। उन्होंने कहा कि सेबी ट्रेडिंग गतिविधियों में एआई के बढ़ते इस्तेमाल को रेगुलेट करने के लिए एक फ्रेमवर्क पर काम कर रहा है।

मंदिरों के पास रखे स्वर्ण भंडारों के मुद्रीकरण की योजना नहींः सरकार

- **मंदिरों के स्वर्ण भंडारों के मुद्रीकरण के झूठे दावों पर वित्त मंत्रालय का स्पष्टीकरण**

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने मंगलवार को स्पष्ट किया है कि देशभर के मंदिरों के ट्रस्ट या किसी भी धार्मिक संस्थानों के पास रखे स्वर्ण भंडारों के मुद्रीकरण का उसका कोई इरादा नहीं है। वित्त मंत्रालय ने इन अटकलों को अफवाह करार देते हुए इसे झूठी, भ्रामक और निराधार बताया है। मंत्रालय ने कहा कि कुछ मीडिया रिपोर्ट और सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया जा रहा है कि भारत सरकार मंदिरों के स्वर्ण भंडार के बदले में मंदिरों को स्वर्ण बांड जारी करने की योजना बना रही है या मंदिरों के स्वर्ण भंडार के मुद्रीकरण के लिए प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी गई है।

मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि मंदिरों के शिखरों, दरवाजों या अन्य संरचनाओं पर लगे सोने को 'भारत के सामरिक स्वर्ण भंडार' के रूप में मानने के दावे भी झूठे, भ्रामक एवं निराधार हैं। मंत्रालय ने नागरिकों से अपील की कि वे ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करें और न ही उन्हें फैलाएं। क्योंकि, अपुष्ट जानकारी फैलाने से अनावश्यक भ्रम उत्पन्न होता है और यह लोगों को गुमराह कर सकता है। भारत सरकार ने सभी नागरिकों से केवल अधिकृत माध्यमों से जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने की अपील की है।

वित्त मंत्रालय ने बताया कि नीतिगत फैसलों या सरकारी योजनाओं से संबंधित कोई भी जानकारी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्तियों, सरकारी वेबसाइट और सत्यापित सार्वजनिक संचार मंचों के माध्यम से साझा की जाएंगी। वह देशभर के मंदिर ट्रस्टों या किसी भी धार्मिक संस्था के पास रखे सोने के लिए कोई मुद्रीकरण योजना शुरू करने की योजना नहीं बना रही है।

लिबर्टी म्यूचुअल ने भारत में लिबर्टी जनरल इंश्योरेंस में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 74 फीसदी की

एजेंसी, नई दिल्ली/मुंबई

अमेरिका की बीमा कंपनी लिबर्टी म्यूचुअल इंश्योरेंस ने भारत स्थित अपनी संयुक्त उद्यम कंपनी, लिबर्टी जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड (एलजीआई) में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 74 फीसदी कर दी है। ये कदम भारतीय बीमा क्षेत्र में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) की सीमा को बढ़ाकर 100 फीसदी किए जाने के बाद उठाया गया है। लिबर्टी म्यूचुअल इंश्योरेंस ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि उसने भारत में लिबर्टी जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड (एलजीआई) में अपनी हिस्सेदारी को बढ़ाकर 74 फीसदी कर लिया है। इससे पहले सितंबर 2025 में लिबर्टी म्यूचुअल ने

Liberty General Insurance

भारतीय इकाई में अपनी हिस्सेदारी 49 फीसदी से बढ़ाकर 55.40 फीसदी की थी। लिबर्टी जनरल इंश्योरेंस के मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक पराग वेद ने इस अवसर पर कहा, "लिबर्टी म्यूचुअल के मजबूत समर्थन के साथ अब हम अपने वितरण नेटवर्क का विस्तार करने और रिटेल एवं कमर्शियल लाइन सेगमेंट्स में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करने की बेहतर स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि हमारा फोकस ऐसे व्यवसाय के निर्माण पर बना हुआ है जो निरंतरता, मजबूती और मजबूत बुनियादी सिद्धांतों पर आधारित हो। साथ ही ऐसे बाजार के अनुकूल बने रहें जिसकी पहचान ही लगातार हो रहे बदलाव हैं।" पराग वेद ने कहा, "भारत अपनी विविधता और सुरक्षा की बढ़ती मांग के कारण एक अनूठा अवसर प्रस्तुत करता है। हम देश में बीमा पहुंच को बढ़ाने में सार्थक भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि आगे बढ़ते हुए हमारी प्राथमिकता स्पष्ट है। इसमें सतत लाभकारी ग्रोथ सुनिश्चित करना, हमारे हिस्सेदारों के साथ विश्वास को मजबूत करना, ग्राहकों, साझेदारों तथा जिन समुदायों की हम सेवा करते हैं, उनके लिए लंबी अवधि के लिए मूल्य निर्माण जारी रखना।"

पेट्रोल, डीजल के दाम में 90 पैसे प्रति लीटर का इजाफा, नई दरें लागू

एजेंसी, नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने एक बार फिर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफा किया है। आज पेट्रोल और डीजल के दाम में लगग 90 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। पेट्रोल और डीजल के दाम में एक हफ्ते के भीतर यह दूसरी बार बढ़ोतरी की गई है। नई दरें लागू हो गई हैं। इंडियन ऑयल के मुताबिक, इस बढ़ोतरी के बाद नई दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 87 पैसे प्रति लीटर बढ़कर 98.64 रुपये प्रति लीटर हो गई है। वहीं, डीजल 91 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी के साथ 91.58 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत में 91 पैसे की बढ़ोतरी के साथ 107.59 रुपये प्रति लीटर हो गया है, जबकि डीजल 94 पैसे महंगा होकर 94.08 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत सबसे ज्यादा 96 पैसे प्रति लीटर बढ़कर 109.70 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गई है, जबकि डीजल का भाव 94 पैसे बढ़कर 96.07 रुपये प्रति हो गया है। चेन्नई में पेट्रोल 82 पैसे महंगा होकर 104.49 रुपये और डीजल 86 पैसे बढ़कर 96.11 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया है। उल्लेखनीय है कि इस नई बढ़ोतरी से ठीक तीन दिन पहले शुक्रवार को सरकार ने देशभर में पेट्रोल-डीजल दोनों की कीमतों में तीन रुपये प्रति लीटर तक का इजाफा किया था।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 295 अंक उछला

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को घरेलू शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। बाजार के दोनों प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स में 295 अंक और निफ्टी में 83 अंकों की तेजी है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 294.79 अंक यानी 0.39 फीसदी की उछाल के साथ 75,609.83 पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेज (एनएसई) का निफ्टी भी 82.60 अंक यानी 0.35 फीसदी की बढ़त के साथ 23,760 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स की 30 में से 20 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ खुले हैं और बाकी 9 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में खुले। हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों ने बिना किसी बदलाव के कारोबार कर रहा है। वहीं, एनएसई निफ्टी की 50 में से 33 कंपनियों के शेयरों में तेजी दिख रहा है। वहीं, बाकी की सभी 17 कंपनी के शेयरों ने गिरावट के साथ कारोबार कर रहा है। आज के कारोबार में निफ्टी आईटी में सबसे ज्यादा खरीदारी है, जबकि निफ्टी प्राइवेट बैंक के शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली है। अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले भारतीय मुद्रा रुपये की विनमय दर शुरुआती कारोबार में 18 पैसे टूटकर 96.38 प्रति डॉलर पर ट्रेंड कर रही है।

उल्लेखनीय है कि इससे एक दिन पहले सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी मामूल बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 77.05 अंकों की वृद्धि के साथ 75,315.04 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 6.45 अंकों की बढ़त के साथ 23,649.95 के स्तर पर बंद हुआ था।

आखिरी सवाल के दूसरे दिन घटे शोज
संजय दत्त की फिल्म ने किया इतना बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

संजय दत्त की आखिरी सवाल को लेकर काफी बज देखने को मिला था. हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म नहीं कर रही है. फिल्म ने 2 दिन में सिर्फ 1.15 करोड़ की कही कमाई की है. सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म के दूसरे दिन के शोज घट गए हैं. दूसरे दिन फिल्म को 1894 शोज मिले. हालांकि, पहले दिन के मुकाबले फिल्म की कमाई बढ़ गई है. फिल्म ने दूसरे दिन 75 लाख रुपये की कमाई की. फिल्म को 11 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली. बता दें कि फिल्म ने पहले दिन 40 लाख रुपये कमाए. पहले दिन फिल्म को 2035 शोज मिले. फिल्म को 8 परसेंट ऑक्यूपेंसी मिली. फिल्म को टोटल 1.15 करोड़ का कलेक्शन हुआ है. ओवरसीज मार्केट में फिल्म ने 15 लाख की कमाई की. दुनियाभर में फिल्म ने 1.53 करोड़ की कमाई की थी. फिल्म को अभिजीत मोहन वारंग ने डायरेक्ट किया है. संजय दत्त खुद फिल्म के प्रोड्यूसर हैं. फिल्म का रनटाइम 2 घंटे 30 मिनट है. फिल्म में संजय दत्त के अलावा नमाशी चक्रवर्ती, अमित साध और समीरा रेड्डी जैसे स्टार्स हैं. फिल्म में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा, इतिहास पर बेस्ड है. संजय दत्त के वर्कफ्रंट की बात करें तो 2026 में वो केडीः द डेविल, राजा शिवाजी और राजा साब और धुरंधरः द रिवेंज जैसी फिल्मों में दिखें. धुरंधरः द रिवेंज ने तो बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया. फिल्म ने दुनियाभर में 1800 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया. फिल्म में संजय दत्त चौधरी असलम के रोल में नजर आए. फिल्म को आदित्य धर ने डायरेक्ट किया है. इस फिल्म में रणवीर सिंह भी नजर आए. अब संजय दत्त बाप और खलनायक रिटर्न्स में दिखेंगे. खलनायक रिटर्न्स की संजय दत्त ने खुद अनाउंसमेंट की थी.

दूसरे दिन आयुष्मान खुराना की फिल्म की कमाई बढ़ी
बॉक्स ऑफिस पर किया इतना कलेक्शन

पति पत्नी और वो दो को रिलीज हुए 2 दिन हो गए हैं. फिल्म को मिक्स रिव्यूज मिल रहे हैं. इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर भी एवरेज रिस्पॉन्स मिल रहा है. आइए जानते हैं फिल्म ने 2 दिनों में कितना बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कर लिया है. सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने दूसरे दिन 5.75 करोड़ का कलेक्शन किया है. फिल्म को 16 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली. फिल्म 6717 शोज पर रिलीज हुई. फिल्म ने पहले दिन 4 करोड़ का कलेक्शन किया था. दूसरे दिन अब फिल्म की कमाई में ग्रोथ देखने को मिली है. फिल्म ने टोटल 9.75 करोड़ का कलेक्शन किया. ओवरसीज मार्केट में फिल्म को खास रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है. फिल्म ने दूसरे दिन 1 करोड़ का कलेक्शन किया. ओवरसीज मार्केट में फिल्म ने टोटल 2 करोड़ का कलेक्शन किया है. वर्ल्डवाइड टोटल 13.70 करोड़ की कमाई की है. फिल्म में आयुष्मान खुराना लीड रोल में हैं. इस के अलावा फिल्म में 3 एक्ट्रेसेस लीड रोल में हैं. फिल्म में सारा अली खान, रकुलप्रीत सिंह और वामिका गब्बी फीमेल लीड में हैं. फिल्म के ट्रेलर में तीनों एक्ट्रेसेस को काफी पसंद किया गया था. फिल्म को मुदस्सर अज़ीज़ ने डायरेक्ट किया है. फिल्म में आयुष्मान खुराना प्रजापति पांडे के किरदार में हैं. वहीं वामिका गब्बी उनकी पत्नी अपर्णा के रोल में हैं. सारा अली खान उनकी पुरानी दोस्त चंचल के रोल में हैं. रकुल प्रीत सिंह उनकी कलीग नीलोफर के रोल में हैं. फिल्म में आयुष्मान खुरान वन विभाग के अधिकार के रोल में हैं. आयुष्मान खुराना के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें इससे पहले फिल्म थामा में देखा गया था. अब उनके हाथ में तीन फिल्में हैं. वो उड़ता तीर, ये प्रेम मोल लिया और मुपापा में नजर आएंगे. उड़ता तीर पोस्ट प्रोडक्शन में हैं.

बेहद ग्लैमरस हैं मैं वापस आऊंगा एक्ट्रेस, शरवरी वाघ के इन लुक्स से नहीं हटा पाएंगे अपनी नजर

शरवरी वाघ इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'मैं वापस आऊंगा को लेकर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस एक्टिंग के साथ-साथ अपने ग्लैमरस लुक्स के लिए भी जानी जाती हैं. ऐसे में आइए देखते हैं उनके कुछ ग्लैमरस लुक्स, जो आपको दीवाना बना देंगें. शरवरी वाघ इम्तियाज अली की अपकमिंग फिल्म मैं वापस आऊंगा में नजर आने वाली हैं. फिल्म में वो दिलजीत दोसांझ के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी. दोनों को बड़े पर्दे पर साथ देखने के लिए फैंस बेताब हैं. फिल्म में शरवरी एक्टर संग रोमांस करती दिखेंगी. फिल्म में अपने दिलकश अंदाज से एक्ट्रेस दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं. बता दें, शरवरी रियल लाइफ में भी अनपे ग्लैमरस अवतार से लोगों को घायल कर देती है. उनकी फोटोज सोशल मीडिया पर अक्सर वायरल होती रहती हैं. उनके स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक्स इतने अट्रैक्टिव होते हैं कि उन पर से अपनी नजरें हटाना बेहद मुश्किल हो जाता है. शरवरी अक्सर अपने सिजलिंग लुक्स से सोशल मीडिया पर आग लगा देती हैं. इस फोटो में एक्ट्रेस अपनी अदाओं ये सभी को दीवाना बना रही हैं. इस फोटो में एक्ट्रेस शिमरी बॉडीकॉन ड्रेस में कहर ढा रही हैं. कॉन्फिडेंट अंदाज में पोज देती एक्ट्रेस बला की खूबसूरत दिख रही हैं. शरवरी का ये अंदाज भी देखने लायक है. मिनी ड्रेस पहने एक्ट्रेस काफी स्टाइलिश दिख रही हैं.

मल्लिका ने कान्स फिल्म फेस्टिवल की पुरानी तस्वीरें की साझा, हुई भावुक

आजकल कान्स फिल्म फेस्टिवल में भारतीय अभिनेत्रियों का ग्लैमरस अंदाज चर्चा में बना हुआ है। इसी बीच बॉलीवुड अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने कान्स फिल्म फेस्टिवल से जुड़ी अपनी पुरानी यादें साझा करते हुए सोशल मीडिया पर कुछ पुरानी तस्वीरें साझा कीं। अभिनेत्री मल्लिका शेरावत ने इंस्टाग्राम पर कान्स फिल्म फेस्टिवल की करीब दो दशक पुरानी तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वह विश्व प्रसिद्ध मार्शल आर्टिस्ट और अभिनेता जैकी चेन के साथ नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वह लगभग 20 साल पहले कान्स फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुई थीं। उस दौरान उन्होंने स्टाइलिश क्रॉप टॉप और स्कर्ट पहनी थी, जिसे लेकर उस समय काफी चर्चा हुई थी। अभिनेत्री ने लिखा कि उस दौर में उनके पहनावे को लेकर बड़ा हंगामा मच गया था। उन्होंने बताया कि उनके ड्रेसिंग स्टाइल की चर्चा अंतरराष्ट्रीय मीडिया तक में हुई और उन्हें मशहूर मैगजीन 'टाइम' में भी जगह मिली थी। इतना ही नहीं, उनकी तुलना फ्रेंच सुपरस्टार ब्रीगिटे बारडॉट से की गई थी। मल्लिका ने कहा कि छोटे शहर से आने वाली लड़की के लिए यह सब किसी सपने जैसा था। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि उस समय लोगों को उनका पहनावा बहुत बोल्ड लगा था, जबकि आज के दौर में उसी तरह के कपड़ों को सामान्य माना जाता है। अभिनेत्री के मुताबिक समय के साथ फैशन और लोगों की सोच दोनों में काफी बदलाव आया है। बता दें कि मल्लिका शेरावत पहली बार साल 2005 में कान्स फिल्म फेस्टिवल में पहुंची थीं। वह अपनी फिल्म द मिथ के प्रमोशन के सिलसिले में इस प्रतिष्ठित समारोह का हिस्सा बनी थीं। इसके बाद उन्होंने कई बार कान्स के रेड कार्पेट पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई और अपने स्टाइल से लोगों का ध्यान खींचा। फिल्म 'द मिथ' साल 2005 में रिलीज हुई एक मशहूर हांगकांग-चीनी मार्शल आर्ट और फैंटेसी फिल्म थी। इसका निर्देशन स्टेनले टॉंग ने किया था। फिल्म में जैकी चैन मुख्य भूमिका में नजर आए थे, जबकि मल्लिका शेरावत ने इसमें कैमियो रोल निभाया था।

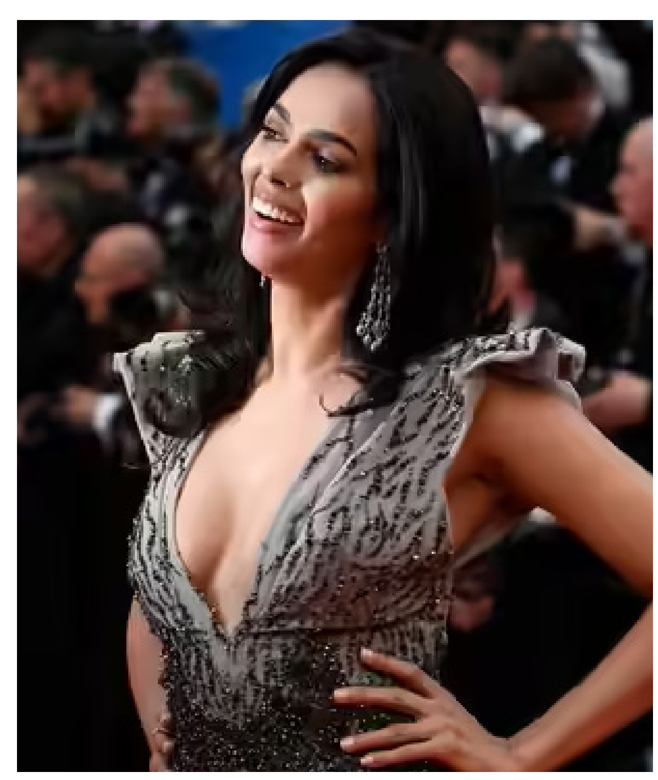

विक्की ने दमदार अभिनय और मेहनत के बल पर बनाया खास मुकाम

मुंबई के चेंबूर में जन्मे बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद अभिनय की दुनिया में कदम रखा और धीरे-धीरे बॉलीवुड के सबसे भरोसेमंद कलाकारों में अपनी जगह बना ली। विक्की कौशल आज हिंदी सिनेमा के उन अभिनेताओं में शामिल हैं, जिन्होंने अपने दमदार अभिनय और मेहनत के बल पर इंडस्ट्री में खास मुकाम हासिल किया है। 'मसान', 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक', 'सरदार उधम', 'सैम बहादुर' और 'छावा' जैसी फिल्मों में उनके शानदार अभिनय ने दर्शकों और समीक्षकों दोनों को प्रभावित किया। विक्की कौशल का जन्म 16 मई 1988 को एक पंजाबी परिवार में हुआ था। उनके पिता शाम कौशल हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के प्रसिद्ध एक्शन डायरेक्टर हैं। हालांकि फिल्मी माहौल में बड़े होने के बावजूद विक्की की शुरुआती रुचि अभिनय में नहीं थी। उन्होंने मुंबई के रामनारायण रुइया कॉलेज से इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। कॉलेज के दिनों में उनका झुकाव थिएटर की ओर बढ़ा और यहीं से अभिनय के प्रति उनका लगाव शुरू हुआ। साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म मसान ने विक्की कौशल की जिंदगी बदल दी। फिल्म में 'दीपक' के किरदार में उनके अभिनय को काफी सराहा गया। उनकी सादगी और भावनात्मक अभिनय ने दर्शकों के दिलों को छू लिया।

गर्मियों के दौरान क्यों अस्थिर हो जाता है शक्कर का स्तर? जानिए इसके 5 कारण

गर्मी का मौसम मधुमेह रोगियों के लिए चुनौतियों से भरा होता है। इस दौरान न केवल शक्कर के स्तर में उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है, बल्कि शरीर में इंसुलिन का असर भी कम हो सकता है। इंसुलिन का असर कम होने से शरीर की कोशिकाएं शक्कर को सही तरीके से अवशोषित नहीं कर पाती हैं। आइए गर्मी के मौसम में शक्कर के स्तर में उतार-चढ़ाव आने के संभावित कारणों पर नजर डालते हैं।

गर्मियों के दौरान पाचन तंत्र की गति धीमी हो सकती है, जिससे भोजन का सही तरीके से पाचन नहीं हो पाता है। इससे शरीर में गैस, सूजन और अन्य पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसके कारण इंसुलिन का असर कम हो सकता है, क्योंकि शरीर की कोशिकाएं शक्कर को सही तरीके से अवशोषित नहीं कर पाती हैं। इससे शक्कर का स्तर अस्थिर हो सकता है और मधुमेह के लक्षण और भी गंभीर हो सकते हैं। गर्मी के मौसम में पसीना अधिक आता है, जिससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। इससे इंसुलिन का असर कम हो जाता है और शक्कर का स्तर अस्थिर हो सकता है। इसके कारण मधुमेह रोगियों को थकान, कमजोरी और चिड़चिड़ापन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए, इस मौसम में अधिक से अधिक पानी पीएं और तरल पदार्थों का सेवन करें। साथ ही नमक युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें। गर्मी के मौसम में खाने की आदतें भी प्रभावित हो सकती हैं। कई लोग ठंडे पेय और तले हुए खाद्य पदार्थों का सेवन कर लेते हैं, जो सेहत के लिए सही नहीं होते हैं। इससे शरीर में सूजन बढ़ सकती है और इंसुलिन का असर कम हो सकता है। इसलिए, इस मौसम में पोषक तत्वों से भरपूर संतुलित आहार लें और जंक फूड से दूर रहें। इसके अलावा समय-समय पर अपने शक्कर के स्तर की जांच करवाते रहें। गर्मी से बचने के लिए कई लोग घर से बाहर नहीं निकलते और व्यायाम नहीं करते हैं, जिससे वजन बढ़ने लगता है। बढ़ता वजन इंसुलिन का असर कम कर सकता है। इसलिए, मधुमेह रोगियों को रोजाना कुछ मिनट व्यायाम जरूर करना चाहिए। इससे उनका वजन नियंत्रित रहेगा और मधुमेह के लक्षण भी कम हो जाएंगे। इसके अलावा व्यायाम से शरीर में शक्कर का सही तरीके से अवशोषण हो सकता है। तनाव और अनिद्रा भी शक्कर के स्तर को प्रभावित कर सकते हैं। तनाव से शरीर में एक हार्मोन का स्तर बढ़ता है, जिससे इंसुलिन का असर कम हो सकता है। वहीं अनिद्रा से शरीर ठीक से काम नहीं कर पाता और शक्कर का स्तर अस्थिर हो सकता है। इसलिए, मधुमेह रोगियों को पर्याप्त नींद लेनी चाहिए और तनाव को कम करने के उपाय अपनाने चाहिए। इनकी मदद से आप शक्कर के स्तर को स्थिर रख सकते हैं।

साड़ी के बाद दिखा अदिति राव का ग्लैमरस अवतार, नियॉन ड्रेस में लगीं बला की खूबसूरत

अदिति राव हैदरी ने कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपनी शानदार मौजूदगी दर्ज कराई. पहले दिन वो ट्रेडिशनल साड़ी लुक में नजर आईं, जिसमें उनका ग्रेस और एलिगेंस लोगों को खूब पसंद आया. वहीं दूसरे दिन उन्होंने स्टाइलिश ड्रेस पहनकर रेड कार्पेट पर एंट्री ली और अपने ग्लैमरस अंदाज से सबका ध्यान खींच लिया. कान्स फिल्म फेस्टिवल के दूसरे दिन अदिति राव ने ग्लैमरस लुक में एंट्री ली. एक्ट्रेस ने अपने लुक से सबका ध्यान खींच लिया. अदिति ग्रीन कलर के हाई स्लिट गाउन में दिखीं. एक्ट्रेस के इस लुक की सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है. अदिति ने लुक को और भी ग्रेसफुल और मॉडर्न बनाने के लिए गले में एक सिंपल चोकर पहना. एक्ट्रेस ने अपने लुक को मिनिमल मेकअप के साथ कंप्लीट किया. अदिति ने हेयरस्टाइल बनाने के बजाय बालों के खुला रखा. अदिति के इस लुक पर और इन अदाओं पर फैंस फिदा हो गए हैं. उन्होंने रेड कार्पेट पर जमकर पोज दिए. अदिति के इस लुक को देख फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. एक फैन ने लिखा, कान्स में आपका लुक कई लोगों से ज्यादा चमक रहा है. आपकी ड्रेस मुझे सच में बहुत पसंद आई. बता दें, पहने दिन एक्ट्रेस कान्स में साड़ी पहन कर पहुंची थीं. इस दौरान उन्होंने अपने लुक से सारी लाइमलाइट लूट ली थी.

Suvendu govt ends religion-based schem -es in Bengal, scraps state OBC list

New Delhi, Agency: The chief minister Suvendu Adhikari-led West Bengal cabinet Monday scrapped the assistance to the groups based on religious categorisation, effectively ending the religion-based schemes run during the Mamata Banerjee-led TMC government.

The BJP government has also done away with the exisiting state OBC list in accordance with the Calcutta high court judgement and would set up a panel to decide quota eligibility. A few days ago, the Suvendu goverment reportedly withdrew petition filed by Mamata government against the high court stay on state OBC list roll out.

Last year on July 28, the CJI-led bench of the Supreme Court had vacated high court's stay on implementation of the new OBC list that had a total of 140 sub-groups under OBC-A and OBC-B categories, including 80 belonging to the Muslim community.

The Supreme Court had said that it was well settled that the Executive can notify such a list without passing legislation. The earlier list, which was struck down by the high court , had 113 OBC sub-groups with 77 from the Muslim community and 36 from others. "The Bengal cabinet decided to discontinue government assistance to groups based on religious categorisation from June. The government also scrapped the existing state OBC list in accordance with the Calcutta High Court judgment and will set up a panel to decide quota eligibility," said minister Agnimitra Paul.

She said schemes being implemented under religious categorisation by the departments of Information and Cultural Affairs and the Minority Affairs and Madrasa Education would continue till the end of this month and would be stopped from June.

Motihari Police Cracks ATM Heist Mystery

By Sagar Suraj

Six-Day Hunt in Nuh-Mevat Leads Motihari Police to Interstate ATM Theft Gang Behind Bihar's Eighth Such Crime

Motihari: In a significant breakthrough, East Champaran Police have solved a blind ATM theft case that initially had no visible clues, tracing the crime to a notorious interstate gang operating from the Nuh-Mevat region of Haryana and Rajasthan. The operation, driven largely by technical surveillance and sustained field investigation, culminated in the arrest of accused persons after an intensive six-day pursuit outside Bihar.

According to police sources, the case had posed a major challenge for investigators as the criminals had executed the theft with precision, leaving behind minimal physical evidence. Investigators described it as a "completely blind case" in which neither local intelligence nor immediate forensic leads offered any direction in the early stages.

Despite the absence of direct clues, the Motihari Police launched a coordinated technical investigation with the sincere guidlines of Motihari SP Swarn Prabhat involving digital tracking, call detail analysis and interstate intelligence gathering.

The breakthrough eventually led investigators to the Nuh-Mevat belt, a region long associated with organized cyber and financial crimes.

Senior officers, including the Sadar DSP and Areraj DSP, reportedly camped in the region for six consecutive days to monitor movements of suspects and coordinate local raids.

Their efforts resulted in the capture of members linked to the ATM theft gang allegedly responsible for multiple similar incidents.

Police officials said the arrested criminals belonged to a well-organised gang that had carried out at least eight ATM theft incidents in Bihar. Investigators believe the syndicate operated across state borders with carefully planned execution methods and quick escape routes.

Officials further indicated that raids are continuing to nab other members of the network. The district police are also preparing to announce rewards for information leading to the arrest of absconding accused persons.

The successful detection of the case has been viewed within policing circles as a notable example of technology-driven investigation overcoming the limitations of conventional evidence. Senior officers credited sustained teamwork, interstate coordination and technical analysis for cracking what had initially appeared to be an unsolvable crime.

Ex-bureaucrat Tuteja gets bail in DMF case

New Delhi, Agency: Accused of involvement in multiple scams, former Chhattisgarh bureaucrat Anil Tuteja will come out of jail more than two years after his arrest in April 2024 as Supreme Court granted him bail in the Rs 600 crore DMF scam case on Monday. However, SC banished him from the state.

Appearing for Tuteja, advocate Shoeb Alam told a bench of CJI Surya Kant and justice Joymalya Bagchi that despite his client being given bail in all other cases in which he was arrested, he had been in custody since his first arrest on April 21, 2024. "The moment the state govt finds that Tuteja is about to get bail in one case, they get him arrested in another case to keep him in custody. This evergreening of arrest must not be permitted by the judiciary," Alam said. For Chhattisgarh, additional advocate general Ravi Sharma told the bench that the offence is grave in nature, as the accused had attempted to siphon funds meant for the welfare of tribals.

CDSCO review weakens May 20 chemists' bandh as states opt out

New Delhi, Agency: The proposed nationwide bandh called by the All India Organisation of Chemists and Druggists (AIOCD) on May 20 over e-pharmacy regulations appeared to lose momentum on Monday after several state-level retail pharmacy associations decided to stay away following assurances from the Central Drugs Standard Control Organisation (CDSCO) that their concerns are under active review.

However, AIOCD general secretary Rajiv Singhal said the strike would continue "until unless G.S.R. 220(E) and G.S.R. 817(E) are withdrawn" and demanded corrective measures to stop "deep discounting by corporates through online platforms."

Himanta's wife passport row: Congress MP Randeep Surjewala summoned by Assam police on Saturday

New Delhi, Agency: The Assam crime branch has summoned Congress MP and senior party leader Randeep Singh Surjewala to appear before investigators in Guwahati on Saturday, May 23 in connection with the passport controversy involving Assam chief minister Himanta Biswa Sarma's wife, Riniki Bhuyan Sarma.

The summons is part of an ongoing probe by Assam police into allegations made by Congress leaders against Riniki Bhuyan Sarma, where Khera had publicly questioned alleged discrepancies linked to her passport records and citizenship status. The development comes as the investigation widens following the questioning of Congress spokesperson Pawan Khera earlier this month. The summons to Surjewala was issued after statements made by Khera during nearly eight hours of interrogation by the crime branch in Guwahati.

The case relates to allegations made by Khera regarding Riniki Bhuyan Sarma, after which criminal complaints were lodged against him at the Guwahati Crime Branch under provisions of the Bharatiya Nyaya Sanhita. Khera has since challenged an April 24 order of the Gauhati high court that denied him anticipatory bail. After appearing before the Crime Branch earlier this month, Khera avoided commenting in detail on the investigation but asserted that the Congress would continue its political fight against the BJP-led government in Assam.

HC raps civic body for razing neta's home

New Delhi, Agency: Chhatrapati Sambhajinagar: Bombay high court on Monday criticised Chhatrapati Sambhajinagar municipal corporation for demolishing properties linked to AIMIM corporator Mateen Patel and resident Hanif Khan, calling the action arbitrary and a violation of Supreme Court and high court guidelines,reports Mohammed Akhef. "Constructing a house is not an easy task. Everybody cannot afford to build a house like you and me. Don't allow bulldozer culture to enter Maharashtra. This is not UP or Bihar," observed a division bench led by Justice Siddheshwar Thombre.

Haryana land deal: Vadra withdrawsplea will appear before trial court

New Delhi, Agency: Businessman Robert Vadra Monday unconditionally withdrew his plea before the Delhi HC challenging the trial court order that had issued summons to him on a chargesheet filed by Enforcement Directorate last July. ED had earlier countered Vadra's plea - which had argued that the agency's case is not based on a scheduled offence - saying it lacked merit and was based on a false legal submission.

Vadra, husband of Congress MP Priyanka Gandhi, had questioned the merit of ED's case related to a land deal in Shikohpur in Gurgaon on grounds that the deal was during 2008-2012, but the offences forming the basis of the ED case were only included in 2013.

ED had, however, countered these claims and said the petitioner was "misleading on a false legal submission".

Now that Vadra has withdrawn the challenge, he will have to appear before the trial court to participate in proceedings on the charges to be framed against him in the money laundering case related to the land deal his firm, Skylight Hospitality, had entered into in 2008 for Rs 7.5 crore. The land was sold to DLF for Rs 50 crore in a matter of a few months. This is a new case being investigated against Vadra with investigation in two other money laundering cases related to land deals in Haryana and Rajasthan underway.

Twisha death case: CCTV shows her heading to terrace; husband, others attempt CPR later

New Delhi, Agency: A CCTV video has surfaced showing the final moments before Twisha Sharma was found dead at her marital home in Bhopal.

The footage, shared by news agency PTI, captured the Noida woman climbing the staircase towards the terrace at 7.20 am.

The video shows Twisha, 33, walking alone towards the terrace of the house in the Katara Hills area on May 12.

Nearly an hour later, three men, reportedly her husband Samarth Singh, a neighbour and a house-help, are seen attempting to administer CPR to her on the staircase landing.

Meanwhile, her mother-in-law Giribala Singh is seen going to a room. Few seconds later, she comes out of the room and goes downstairs.

Meanwhile the CPR attempts appear unsuccessful, following which the men are seen carrying her downstairs to a lower floor.

Samarth Singh, a lawyer, is currently absconding and police have announced Rs 10,000 reward for any information.

The couple had met through a dating app in 2024 and got married in December 2025.

The case took a dramatic turn on Monday after Twisha's mother-in-law, a retired judge, publicly rejected the family's allegations of dowry harassment and murder, and instead claimed that Twisha had a history of psychiatric treatment and substance abuse.Giribala Singh alleged that Twisha had been undergoing psychiatric counselling and had been prescribed medicines "given to a schizophrenic patient". She further claimed that Twisha had confessed to consuming "large quantities of marijuana during pregnancy".She also accused Twisha's parents of pushing her into the glamour industry at a young age and later disowning her, while asserting that the family had tried to save her after she was found hanging.Police said the allegations regarding Twisha's alleged drug use were mentioned in husband's bail petition, but the SIT was investigating the case strictly under the sections invoked in the FIR, including dowry harassment and abetment to suicide, ACP Rajneesh Kashyap told Media.